

DPN 5870

Title : चानके सार संग्रह CĀNAKE SĀRA SAṆG RAHA

Run. No. 6561

Cat. No.

Micro. No.

Subject *Ati Bidvadr*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / *मनसं भव*
new meaning

Size in cms. 19.5 X 8

Folios 1-93 Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act / *verses 100 in each chapter. Total verses 300.*

Author / translator

Satak 1-3

Scribe / donor *हर्षमुनि वज्राचार्य / फणीन्द्ररत्न वज्राचार्य*

Date: NS / SS / VS / KS 969

Ruler / place *Harsha Muni Vajracarya / Phaniendra Ratna Vajracarya*

Script : New. / Dev. / Bhuji. / Ran. /

Illus. : *Muni Sangha Mahavishara*

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu / *Red ink also used हर्षादि मणि + असा नः ॥ ५॥*

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

*ॐ नमो श्री ज्ञानाय नमः । श्री गुरुवे नमः ॥ ॥ प्रणम्य सिद्धिं विस्तुं त्रैलोक्याधीपति प्रभु. नमः ।
शास्त्रं रचितं वज्र राज नीति समुच्चय ॥ १॥*

समाप्ति / Post- Colophon

इती चानके सिल संहिते तृतीय भागके श(स)साम् ॥ ॥ संवत् १९९९ मिति वैशाख कृष्ण चतुर्दशी
शुक्ल सिद्धयका जुलार्द्र ॥ शुक्ल ॥ लोचिंत मनिस्संग महाविहारे वास्तवित लवंगले सेया पञ्चाचार्य
हर्षमुनिना योग्या जुल ॥ शुद्ध का ठामुद्ध ॥ ॥ ॥

॥ चा ॥

१

निगदनी धर्मपदमिनी नर्य कार्यकार्य श्रुतानी १ ॥ धर्माल

स यकामाश्रय कार्य अकार्य धर्म अधर्म न संसृष्ट गुरु अगुरु संसृष्ट

२ ॥ नददीर्घपुवजामि नवाधरित कामयाने न प्रसाधमा न न माय

वदित कारीनी ॥ ३ ॥ समस्त लोकयां दित यायन दिन क्राय

ममलसलकाडी प्रसपडी नर्य यडी मम नदित याका धर्म धर्माल न

दित यायीडी ॥ ३ ॥ मूलसूत्र प्रवजामि चानक नउतामि

नं यन विरुक्तमा न सर्वरुत्वहिजाय न ॥ ४ ॥ मूल

सूत्रवदित नक्रायवकी चानक याविमन क्रायो ॥ ५ ॥

मनस्य तननवी स्व्य वरुमान समस्त र्व सयी डी ॥ ६ ॥

॥ मूर्धगिष्यायदखेन इष्टाश्रीत वलोन च द्विषणा

।चा॥

२

संप्रसारगन पदि गोप्यवसिदनी ॥ ७ ॥ मरुव जाति याम उपदेहाः

वियथइल कचविशक्रमिमा निसाननियक थइल जाकइया

अचाइक्र डीमी चियाय भइल अगगानका डी ना डाइ यूपडि २

मइलसीइः खकइ सायुडा ॥ ७ ॥ उलिरिस्महसंपर्क पडि

मसहसं कथा कलिरिस्महमिउर्व कवा (८) नावसिद मि ॥ ७ ॥ नक ॥

उलिरिस्महसंपर्क पडि मइलसीइः खकइ सायुडा ॥ ७ ॥

अचाइक्र डीमी चियाय भइल अगगानका डी ना डाइ यूपडि

मइलसीइः खकइ सायुडा ॥ ७ ॥ उलिरिस्महसंपर्क पडि

मसहसं कथा कलिरिस्महमिउर्व कवा (८) नावसिद मि ॥ ७ ॥ नक ॥

॥ १ ॥ डीयडाथइल मथी डाथइल मग डीयडाथइल

किमिडाथइल मिमाडाथइल वाडाडाथइल थगम

॥ या ॥

३

ज. विष्णुसंयानदाडा. थ. म. या. आ. य. डानना नी. रु. वी. डी.

॥ १ ॥ वे. वि. र्म. स. रु. वि. र्म. स. थान. व. ४. क. उ. मि. र्म. नि. स. व. ड.

र. य. स. शु. फ. १. प. र्मि. न. १. प. र्मि. व. र्म. नि. ॥ ८ ॥ ॥ व. र्म. म. न. य. ३

न. ग. व. ड. वि. र्म. स. यान. ड. म. न. य. मि. मा. च. मि. र्म. स.

ड. ड. ॥ थ. मि. मा. न. क. मि. न. ड. ल. ड. ड. ३. नि. ड. ड. न.

॥ न. क.

या. वी. डी. ॥ ८ ॥ व. न. क. म. य. थ. ग. व. वि. र्म. स. ग. द. र. व. क. य.

हा. व. व. द. व. थ. ल. र्म. स. द. र. व. त. ॥ ९ ॥ व. न. द. य. क. य. स.

कि. र्म. ड. म. स. द. य. क. थ. स. वि. र्म. स. य. क. थ. स. म. र. व. व. व.

हा. व. य. थ. स. ल. य. व. य. स. म. र. ड. थ. व. स. ल. य. व. ल.

न. म. ल. ॥ ९ ॥ न. ग. व. १. स. र्म. म. मा. न. ग. व. १. स. र्म. म. मा.

॥ या ॥



यस्मात्तन्निमज्जाद्यानी संस्तानदविइष्टन॥ १० ॥

यद्वासी मास धार्य १३५ वष धार्य १३५ छान धालहा १३५

कृपान इह वसंसावदाहानि संप्रदुर्गालयइल ॥ १० ॥ माना

गंगसर्पनीर्थपीतापृष्कनमवचगुचकदानसर्पनीर्थमान

गीतायुनः पुनः ॥ ११ ॥ गव्यमनुष्यनयीमाम इत्यु गीता

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

विद्यानूपकम्

माजी हणायामिनी काकि ज्ञानी म्बनी वपं ना निवर्पं पणिय

पानां उमा नृपगयास्वनां काका स्वनां स्वन नृप गानि नृपगया
॥ १३ ॥ नृपगयास्वनां काका स्वनां स्वन नृप गानि नृपगया

॥ १२ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नचविद्याममार्वंध नचव्याधिसमाविष्टः

॥ जा ॥

७

हन्वायसमस्तैरु न च द वाह्यवैवर्त्त ॥ १३ ॥ थ डा ड ल विद्या

अउल्य मड ग ड ड ल व्याधिडा उल्य मड सिने ह ड ल कायभा

वडा उल्य मड वल डा नो ड ल देवडा उल्य मड ॥ १३ ॥ विद्या

प्रसाहिनामिउरायामिउयदं प्रच आउल्यस्यो यधमिउयध

ममिउयधय ॥ १४ ॥ पत्रदगाया मिउड ल विद्या क्रिया

मिउड ल क लाग वागियामिउड ल आप धिपत्र लाक यामि

७

॥ नक

उड ल धम्म ॥ १४ ॥ इलाधिना विषं विद्या अडीर्ण हाड न विष

विषं गे सिदवी दस्य विधुस ग वलि विषं ॥ १५ ॥ गाकाल

अप्याममयाग डा ड मया विद्या खेव अजिर्ण हलडा ड नय

अन्न खेव गोसन ड ल डा ड थ डा धिर्णि गे सिदवी विषं

न थ मया थ ड ल डा ड ल्याय क लाग विषं ड ल ॥ १५ ॥ जना

प्रासेदना विद्या निग्न सास्ये दगास्यि क विड न द न ड र्ण हय

॥ वा ॥

यसुसुधलसा इन्मविडी अ पुनिपावयाक अ विद्यासुद अ नका

इनडा अ सायसब डा या क अ धति व व धाय ॥ १२ ॥ गुवयती

या अयति मिषयती रु (थे व च य ती मा ना सु मा ना च य चे न मा

न व सु ना ॥ २० ॥ गुवयाली बाजायाली मिषयाली कल

नया माम थडी माम धडा मी माम धाय ॥ २० ॥ लालयर्प

वयसी निर शवषानिमादय संपाफे षाद शीवषपूजमि ॥ नव

समाचरतु ॥ २१ ॥ गवमम अ यया कायभाचा दाद ना साक

दने दाय मिदना गाद व धे मिषपूद द नदा अ मिषया

संप वारु लया ॥ २१ ॥ लालना द ह वा दोषा गाद ना द ह वा गुना

मसुसाय अ वगिष्य च गाद यत्तु लालयत ॥ २२ ॥ मवागा

खेन कृ यान अ नग पोषद दि डी माद व धे गयान अ नक य

नद सि अ धन न पय इ नाम मिष लसा सुखेन कृ यमन

॥ च ॥

जहालानेनयाने गुण ॥ २२ ॥ नृवित्र स्यास्यो ४ प्यागा प्रहायाकी
यथा जर्न गावहो जमिनस्यानं प्रहायाकिं यथा जर्न ॥ २३ ॥ गव
क्रमनषया रुतमान विडा अस्यासडी निगादन डाअया प्रहायमदन
सी दयी डी नृचिमड अस्यासिमड तदाडादयाडा योहयु नि प्रहा ६
नागश्याडा डानी ॥ २३ ॥ प्रहासु विविधे ४ गमसु नि श्यायास
तर्न वृधे ४ नीतिहा वृधिसंपना तवनिखवृपुजित ४ ॥ २४ ॥ नक

हानिक्रमनषयन कायजा जलप विद्या गमसु सलफा डा निमीली
तदाडा समसु लोकने मान्ययाय ॥ २५ ॥ ७० पृथकिमावस्य
मयथा रात्रवाहक ४ प० न ४ पृथिनी वाजा प० पृथदिनदिन
॥ २५ ॥ श्रीवानेअधिस्थान थडीकायसादा तीकस अलाजिड
मन गमसु सलधक विद्यामसलडाडी हत्याइयू गमसु गलमाना
जाने प्रजाने मान्ययाय ४ ननदि प्रति विद्यासुडा ॥ २५ ॥ गु

५॥
२

पुकी यनेयल किमागा वे ४ प्रया जन विक्रिय नो नयल
हि गाव ४ जी व विवर्जिनी ॥ २३ ॥ गुलामनस यत्र याहने
अलासि इयानं कुप्रयाजन इइ द्वायम इ क्रया यत्नन के
खाय कान कुप्रयाजन ॥ २३ ॥ नसी हवली नूप नूप
स्या हवनी गुन गुलाम्या हवली हनन हनन स्या हवली कुमा ॥
२० ॥ ममपया आहवली इ न नूप नूपया आहवली हनन गुलाम ॥ नक

३३

लाया आहवली हनन हननया आहवली कुमा इय ॥ २० ॥
गुलाम कुसिमा नूप श्रीव पकु सिमा कुली सिद्धि पकु सिमा विद्या हा
गी पकु सिमा धनी ॥ २४ ॥ मनपया नूप इला धक कनमपू गुलाम
हनन कुसि इला धक कनमपू श्रीव स्या गाव कनन विद्या कनम
पुदल ककु कनन ॥ २४ ॥ अगुलाम्य हनन नूप अभाव स्या हनन कुल
असिद्धि अहगा विद्या अगाग स्या हनन धनी ॥ २२ ॥ गुलाम दन
२ सिद्धि कनन धन इला धक कनमपू २

चा ॥

१०

जीव रूप रोजनी जीव (महावमति ६) जीव कूल रोजनी सिद्धि मक
 ननाडी विद्या रोजनी दान धर्म मदन रोजनी धन रोजनी ॥ २९ ॥
 उदी हसाय न रूय जीव रोजनी कूल सिद्धि तराय न विद्या रोजनी
 धाय न धन ॥ ३० ॥ रूपया (महावमति ६) कूलया (महावमति ६)
 जीव विद्याया निसा इली सिद्धि धनया निसा इली दान धर्म का
 मयाय ॥ ३० ॥ सुकलेया जय क न्या पूज विद्या सुजी जय वामन या ज ॥ न क

१०

॥ न क

स
 यत्त उमिरु धर्म पूया जय ॥ ३१ ॥ क न्या जीव लय इली तिगु कूल
 स काय जीव लय इली विद्या स सुक जीव लय इली वामन स मि
 उदी जल य इली धर्म स ॥ ३१ ॥ नी एव शिष बामि न नाति निम
 य सीत व ववसाय सा हाय ना नाति पा लाम साद वि ॥ ३२ ॥ इय य
 या न का ज स म रूय वन नाम डा डी पागाली क म था क साय ज स
 म ड पाय याय डि डी इय म या न डा डी क याय म डि डी ॥ ३२ ॥

15

0

5

0

5

10

15

20

वा ॥ १॥ लक्ष्मकनच. गदह्ननपादेनेका ऊं न न च. अवधदिवसं कुर्याद्वा
नाथ्येन कर्मसु ॥ ३२ ॥ अविष्टि नया गच्छाडी दिन पुनितु
क कृपु नगक. कृपादनगक. आख कृपयव नगक. कानयार
थथ. चिहासनगक ॥ ३३ ॥ शक नानां सरुसानिवज न्याति
पिपिलिका ४ साग कृवेन न यापि. पदमकं नग कृति ॥ ३४ ॥
आममवृमि नाना सा. सपानिर्न. पो लुकि जी जनाने स. मश ॥ नक

वानसा. ग कृपु लसां डी नेमरु. कृपा बागिडी धमरु
थन न उधमरु डी धन ॥ ३५ ॥ गनेवरथे. गने विशाग
नेऽपवर्गमसुवहा. गने ४ धर्म धिकामसि. व्यायाम स्थि
नेः गने १ ॥ ३६ ॥ धनैदयक ४ स. पर्वगजाय धमरु
यातेनेस. धर्म कर्मस धपगा. आसदयमम डी वृव
नीमाल. रुनाम नमम डी ॥ ३७ ॥ एवशु सुखया विशा

॥ वा ॥
१२

पूस्किनधननवा अथ वा विद्याया विद्या च उ (र्थ) नपव
र्यन ॥ ३३ ॥ विद्या लायश्च न थवा ना प्रकाश वा अथ वा
गुव्या के मिता या दान अथ वा धन दियान अथ वा
विद्याने विद्या हिलान अथ वा उद्यम या दान ॥ ३३ ॥
चका उ वप्रदानान योगु व नीतिमन्य पि स्थान श्री निश

१२

॥ नव

तंगत्वा चाधु लक्ष पि जायने ॥ ३० ॥ इव ल सा खल
सन सा गु वमान्याय मा ल उव क्र स न गु वमान्याम
या न डी क्र स न पि प्राल खि वा या ग र्त्त स ड न म इ या ड नि प
ग स वा धु ल या के ड न म इ य डी ॥ ३० ॥ पूरु के प्र ल या धि न
ना धि न गु व स नि धे न सा र न स ल म धे डाल ग र्त्त व

ॐ ॥ श्रुय ॥ २८ ॥ गुणय क मस्य स मस्य लिम सस्य सस्य कासा
 १३ ॥ गुण (१५) जालया लनंद मस्य (१५) सस्य स (१५) सस्य स
 लाक अ (१५) ॥ ३८ ॥ श्रुय (१५) लम ना वस्य पशुने मिउ
 सैय द्द अशो वद्व न विद्या पंथे न अशु यानि विः ॥ १२
 ॥ श्रुय मीया व्यापान लोह क मिया व्यापान अला सि ॥ नव

मस्य सस्य निड मिउ या द (१५) न सस्य सस्य न मस्य क
 अशु वया र शुभ वक्षय ॥ ३२ ॥ नदि उ न निड गत्वं
 ऊरु चै गुल मचा न गुल गुल न वीं मिप या द विप
 न ड थ ॥ ४० ॥ ज न्म न ड उरु द्द न ड उरु अय म
 गुल थ ल न ड उरु अय ग (१५) ५५ अली स थ ल प विमा

॥ वा ॥ न ॥ ४० ॥ किंकुलनविग्नलन, उनवा इन्पूजी गो
नवः ॥ धनर्वसविशुद्धायि, निर्गुहोऽकिंकविष्मि ॥ ४१
॥ कुलडी नाइ क, शया डी क, य, गुलामदगकाडी, गुलाम
सामस, लीकन, मानययायडी, गुलामदगकाडी, धन
वगवा जया जयहि यइल, कउ योजन ॥ ४१ ॥ किंक

॥ नव

लनविग्नलन, विशादिन उजानवः अकली ना
पिविद्या साइवने वपिपू शी ॥ ४२ ॥ गवजस नूष
कुलडी नाइ क, शया डी क, य, विशा मसल काडी, विशा
लता, अकलनिशुद्धलमी, ग, य, द, ड, मानययायडी
थ, मानययायडी ॥ ४२ ॥ नावार्थिचतवद्विद्याजा

वा ॥

१५

वत्पा लंनगच्छति. इति ध्वजगणपात्र. नाकाया किं प्रया
जनं ॥ ४३ ॥ विद्या शून्यं नाम डाडु प्र. समप्रयानम
या गीले. नाम चादायायी डा. पात्र याय धूनका डाना
मक्षपुत्रा जन ॥ ४३ ॥ गुह्यसर्वविपूष्यं न पिरुर्वैभानि
उथक ४ वासुदेवनमस्तीति वसुदेवनं जन ॥ ४४

१५

नक

॥ समप्रयसंगुलाथुकापूआयान. वपू. काय. धाय. मद्र
यजथलया. निमिदिनवासुदेव. विरुवनमपूजाया
थया देव. उस्व. व. सनाने २ प्रजामयक ॥ ४५ ॥ गु
ह्यः कुर्वन्निडल खे. इल पिवसगां सगा. केटकिर्ग धमा
घाय. स्वयं गच्छतिषडपदा ॥ ४५ ॥ गुह्यभुलक. याना

वा ॥

आयमं समं तं नो वै अ नडा यि डी ग (थ कं त कि स्वा
नया नगा या डी ता यि ने नै त व व डी डी अ (थ डी यि ॥
४७ ॥ विशा त्वं व नृ पत्वं च नदि उ ल्य प वा ऊ म स्या दे (गः
पूजि मा वा जो वि शा स शृ ङ्ग जि ताः ॥ ४७ ॥ वा जो डी वि शा डी
न डी उ ल्य धाय म ड वा जो इ नी थ डी वा ध म इ क मा न ॥ न

पूजा यायी डी विशा म डी अ ग न डी न सो वा जो नै पूजा
नै पूजा यायी डी ॥ ४८ ॥ च क ना पि सृ पृ न वि शा
रू न सा ध ना क लै पू व प सि र न च नै नै व य का ग्ध
नै ॥ ४८ ॥ स य पृ व ल का डी विशा स य कू डी अ
सा ध र डी अ थ क का य कू नै म क ग (थ च नु मा

॥ का ॥

१००

न जाडिश प्रकाशयाग अर्थ ध्वज नैक प्रकाश
याची डी ॥ ४० ॥ विद्यायां ताज नैक स्थित स्थिद व
स्यता ज नै ड ता य ता ज नै क स्थित क स्थि ना रयः
ता ज नै ॥ ४८ ॥ गुलाब नै ला के विद्याथन वि
क गुलाबि नै ड व याथन धन डी न गुलाबि लोक

१०

॥ नक

विद्याम स डी धनै म ड ॥ ४८ ॥ नमं गिरु लि ना व
जा नमं वि सु निल ज ना गुष्क का हू च मूर वं
क हि य नै नै व म न्य नै ॥ ४८ ॥ सि स डी मि मी का
क य मा ल गु ति क क्र म नू षी क क य मा ल मूर वं क्र ड
को ग ड सि थै को कू यी डी म र व ता क वू यि डी ॥ ४८ ॥

॥ वा ॥
१८

नहिकर्मा निचत्वा वि. सं. का. ले. प्र. या. अथ न. अ.
हा. व. मे. थ. न. नी. न्दा. ग. थ. स्वा. ध्या. य. म. व. च. ॥ ५० ॥
थ. प. ना. स. ध्या. का. व. स. म. न. डी. व. च. ध्या. ल. सा. आ. हा. व. मे. थ.
न. मि. सा. डी. सी. हा. ग. हु. ल. अ. र्थ. ल. स. ध्या. य. म. व. च. ॥
५० ॥ आ. हा. वा. जा. य. न. व्या. धि. ग. हा. ऊ. य. अ. जा. य. न. अ. ल.
मी. क. अ. स. र्था. या. : स. पा. १०. वा. य. व. ऊ. य. ॥ ५१ ॥

॥ न. क.

का. व. स. आ. हा. व. या. न. सा. व्या. धि. द. यी. डी. मी. म. ती. ग. या. न. सा.
का. व. प. व. च. जा. य. ल. पि. डी. हु. द. डी. य. क. न. सा. ल. मी. म. द. यी.
डी. पा. १०. या. न. सा. अ. र्थ. न. न. न. ल. यी. डी. ॥ ५१ ॥ व. द. व.
दी. ग. न. ल. हा. ऊ. य. द. म. प. वा. य. न. ४. अ. मि. र्थ. द. य. वा. नि. य.
अ. व. वा. हा. य. वा. दि. न. ॥ ५२ ॥ वा. जा. न. प. वा. दि. न. या.

॥ वा ॥
१२

य इ लं वेद व गंगसुता म् जय हाम जि या क मं न शी जी
गी वा द वि य हा शी म् थ थी म् जी म् ल प् यो हि न यो य म्
ल ॥ ५२ ॥ पु रुः स्त्री ॥ धम हि पा च ॥ ऊ ड क म् वि व जी
नः वि धू य च प री त्या गी स्म ईः ख स म स् र्वी ॥ ५३ ॥
ह नि की म ल् ऊ ड श्राम या द पा य स् व या या ग स् र्व
ह र मि शी थ थी म् वा जी या य ॥ ५३ ॥ कू ल गी ल उ त्क

॥ अथ न स ए धर्म य वा नः पु वी ल पु श लो द की वा जी धम
की वि धि य र्क ॥ ५४ ॥ कू ल गी व श न्क गु ल शी न स य धर्म
ह नि च रु व थ थी म् वा जी या य ॥ ५४ ॥ कू ल व श नि र्क
वृ ष्ठी अ प्र ग ह्म स दा ऊ र्व अ ना य व्वा य क र्क च ना धि य र्क नि
की ज य र्क ॥ ५५ ॥ की धि व्वा स न स इ वि क् वा हि ह्म नि

15

0

॥ वा ॥
२०

मरुती आर्यस्य भाग्यं नदीम्न थथिंम्न वाजा आर्यस्य
डा॥ ७७॥ मूलविहिहिना धीव सर्ववत्तपरीकुफः
चिग्धव्यवत्तयीच धर्माः आ विधियन्ते॥ ७८॥
हानिस्त्य धिउडान्क समस्त वत्तपानि आ शाक इध
मरुथिनमरु ७८॥ मरुतापेनियाय॥ ७९॥ आ

१
न

5

पूर्वेदकता स्यात्सर्वहृ पियदशनेः स्यात्त गीत्तगुत्त
पेनः प्रषवेयविधियन्ते॥ ८०॥ इग्ध आदीन वेध गमः
अपामयाक नादिथिद चिकिमासडा आकनमाभ्याक थपना
जान वेधयाय॥ ८१॥ पिङ्गुपिना महीदकुः गामुहामिउपा
चकः गुचिग्धकथिनस्तेव गुपका नैपराग्धने॥ ८२॥

0

5

10

15

20

वा॥ लूजा वयं निर्मयानसा मुसडा प्राक वाक मुडी शुचि कथिनम
मशडी थक स वा वयाय ॥ ५८ ॥ मरुद रुग हिना थ वय
हस्का जिगा कु वः सर्वसा मु समा लोकि प्रष लेक ड चान्या ॥
५९ ॥ ह्म प्राल झाय पुनू अर्थ सिडा मखल मने हा क आ वन
या द सिडा समरु गम्भ अ ल्या मया क थर्थि म लषक वाया ॥ ६० ॥ न

०० गिगा का वन ल ही वल वां प्रिय दर्शन अ प्रमादि सदा द
ऊः प्रगिहा व स ड चाने ॥ ६० ॥ का र्य याय अनू सा व सिडा व
ल डाना लो क डा उ डी डी थर्थि म वा जानैः कनि द वा व याय
॥ ६० ॥ समरु क ग ग मरु हः पडि म ड थ जिगा ग्रयः वेर्य
विर्य गु ल म प्रनः सेना ल डी वि धिय न ॥ ६१ ॥ समरु

॥ वा ॥ अभ्युसडा विच ड ॥ ७७ न्द्रिय डप व प साम ॥ धी य डी न शू व वी
 २२ ॥ अथ धिं क सनाप नि धाय ॥ ३१ ॥ समस्त हय गमस्त ह्री वाहन
 ष्य वाजिनः सोर्य विर्य गु (मपन अ ग्वा (ध ह्वा विधीय
 न ॥ ३२ ॥ समस्त सलया सास्त सिडा वय दाय सन सडा ह व वी २२
 धिं क अ सडा वयाय ॥ ३३ ॥ म धा विवा कप न प्रास्त पत्रः
 चिह्न पत्र क क ४ धी शोड (था क वादि च नष दू र्ण विधीय न ॥ नक

मव वी
 ॥ ३३ ॥ हानि अ ग ति ह ॥ ३४ ॥ अयाय रु धी वा ड थ (थ क थ म
 दु मयाय ॥ ३५ ॥ पार्था वस्य चरु ह्यस्य वदामि गुण व ड ली ज न सी व द्धः
 न वाजार्त ताग ल ह (ध व ॥ ३६ ॥ वाजा यां से व क यो गु ल द्वा य ध
 ना ग्वा न स्य न वाजा या व द्धि मान याग डी क न अ मियाय ॥ ३७ ॥ अ
 न प्रय कू लि ना ना दया कूर्ध नि सी गृहः आदि म ध्वा व सा न ष
 न न या स्य नि वि क्री य न ॥ ३८ ॥ थ ग नी य य न कू ल डी ना

॥ वा ॥

२३

क्रियासदावययाका डी ग्ववेवसिद्यासनेमइ ॥ ७५ ॥ पः
ठिनपूगुलाःसर्वमूर्खदीषाम्दुकवलाःगस्मांमूर्खतरु
न.प्राहं दुकःप्रमस्यते ॥ ७६ ॥ पठिनम्रयागु दादयीडा
मूर्खम्रयाकंदाखनदयीडा पठनं मूर्खपनिदालकिधन
सी.मादताडा हानिकेहे लयमाल ॥ ७७ ॥ प्राहनिजीडीमा
नउसंतिवाहं म्रयागुलाःअनःस्वर्गतिवार्मचपूष्कवेष्टिः ॥ नक

२३

नक

प्रनागमः ॥ ७८ ॥ हानिजीजलपाकायस.वाजायास्व
तागुदादयीडा असकृति.पवयस.स्वर्गविस.लायूडा लकी
याधिरयीडा ॥ ७९ ॥ मूर्खनिजीजमानेउ.अयाकाषामही
पन.अयमअथनाग.नवकपमनपूर्वी ॥ ८० ॥ म
खिजीजलपाकायस.वाजाया.स्वतादाषनदयीडा.अप
कार्ति.लकीनाग.पवलीकस.नवकवाग.इयीडा ॥ ८१ ॥

नक

वचनं ॥ १० ॥ गथा ॥
 हर्मपात्रिकं नापनाद नष्ट दनेः गथा पूरुषमपर्व
 कृत्वा नील न कर्म ला ॥ ११ ॥ गथा ॥ प्रविष्टाय
 यत्कथा ॥ दाया ॥ १२ ॥ गथा ॥ प्रविष्टाय
 व न पूरुषपात्रिकाया ॥ १३ ॥ गथा ॥ प्रविष्टाय
 ला वं ॥ १४ ॥ गथा ॥ प्रविष्टाय

॥वा॥

२५

र्यावविरवड्या ॥ १२ ॥ सवकहीनस्वयं या द्वास्वय
डाधिधिरागस्वयं च डाइरवचेलस मित्र स्वयं आप
दास कल्याणहीन स्वयं धनमपन डाडा ॥ ११ ॥ ए
रावह विष्णवाडा नरमाधर्ममध्वमाः न नि की
या जथा जाग्य हि विरधे वक माह ॥ १३ ॥ सव
क हि द माहि द अनक इ हि द म हि द या स माहि द ॥ न

२५

॥ न

कि ५

माहि द या स नय ॥ १३ ॥ अलस्य मूर्ख य कुरी गधव
जानिनडा ॥ अस्त उह मरु कं व लज्ज ह ए न वा धियः
॥ १४ ॥ अ ल्या मि ल्या य यडा (ध धा व्य जानि ह धिः
विधान त उह मरु डा ता कि मरु डा या धि अ स व क वा
जा न मा ल न मा ला ॥ १४ ॥ लज्ज स्वा भिन म ल्यु ग अ ल्य
गं क्य न लज्ज न क्य ना द वि शेष ह न स्मा च क न ना ड

॥ वा ॥
२३

नी ॥ १५ ॥ अहि उग्रमस्यामिने नालनमाल इ शुशुलः
सी कपन इल्लसी नालनमाल कायतिह मतिह मसि
लका ज ध्रुवा जाया काय नाग इ यू ॥ १५ ॥ वाम
लाया रुना मूर्खः प्रसका वाग्वि वाचकः निहिराव
न्ध्ववर्जव श्रुदस्य महसूषी ॥ १६ ॥ विपनिमम
इना फलाग मूर्ख काय द्याया मम का क म सिने ॥ नक

हसम इ म वन्धु धना नालनमाल धन नागो लना
नउनि मूर्खदयो ॥ १७ ॥ नकश्चि कस्य चि मिर्न
कश्चि कस्य चि सीर्य का वसाद व जायत मिशादि विष व लय
॥ १८ ॥ हयो ह मिश्रम इ ड हयो ह प्रीतिम इ ड हयो ह
प्रीतिम इ ड आया काल रा न गय मि उ हयो ड ॥ १९ ॥
कायार्थी तज न लोक न लाक पत्रमार्थ नः वत्स कित्र ऊर्य

॥ वा ॥

२१

दृष्टापविन ऊहिमान् ॥ १८ ॥ कार्यं याति नी लोक नर
जलाधिपः आयमाय न हजलपूमधुग (धमा चान इ इम
नेमय न नाडा मामेनालनलः ॥ १८ ॥ कृता
व्यडानि नानि डा अरुपस्य कृता वतिः ३ कृताः सोष्य दानि
दस्य इज नस्य कृता ऊमा ॥ १९ ॥ व्यडानम इविक क्रया
कृतामन दधीडा सेना वन इडा क्रया वति हव म इना ॥ नव

सन क्रया कृतामन दधीडा सेना वन इडा क्रया वति हव म इना ॥ १८ ॥ तय वमः
कृतामानो इज नम कृता दयाः वेडमशनी कृता स हव म सयव
कामिनी ॥ २० ॥ रव इडा क्रया मान्य म इ इज न या के दयाम
इव स्यामि साया के सिन ह म इ कामिया के सय म इ ॥ २० ॥
॥ इव वस्य वलो राजा वा रानी बुदि न वली वली मूर वस्य मो न र
यो रा ली म न्त न वली ॥ २१ ॥ इव ल क्रया वल शल वाजा म

॥ वा ॥
२८

वातासु. व. ल. र. वा. य. म. र. व. या. व. ल. श. ल. न. व. न. म. ड. म. य. र. व. या.
व. ल. श. ल. अ. स. र. प. र. व. क. ता. या. ॥ ८१ ॥ अ. न. ना. थ. म. ना. द. वि. डा. ना.
वा. ल. व. द्वि. म. प. स्वि. ना. अ. न्या. य. प. वि. र. ता. ना. स. र्व. षा. पा. र्थ.
वा. गा. ति. ॥ ८२ ॥ अ. ना. थ. या. डा. बी. ड. या. धा. थ. या. न. य. मि.
या. न्या. ड. म. वि. डा. या. धा. ते. या. गा. नि. श. ल. वा. ना. ॥ ८३ ॥ वा.
धि. त. म्या. र्थ. सी. न. स्य. ग. य. वि. श. मि. त. स्य. च. ह. द. य. स्य. क. द. ग. म.

२८

॥ न. य.

ह्य. त. रु. द. गी. रा. मी. ध. ॥ ८३ ॥ वा. ग. न. क. या. डा. वा. ह. अ. या. ध.
न. रु. डा. डा. वा. ह. अ. या. ग. य. न. श. ग. वि. या. डा. क. डा. अ. या. ह. द.
य. डा. अ. म. क. न. द. ग. ध. श. डा. अ. डा. डा. या. धा. ते. या. ड. म. ग. ल. न. श.
ल. र. ह. त. ड. न. या. र. वा. ल. स्य. य. ॥ ८४ ॥ आ. ड. ल. व. य. म. न. पा.
फ. इ. र्ति. कुं. ग. य. वि. ग्र. ह. वा. ड. धा. ले. म. म. म. ने. वा. य. मि. ह. मि.
स. वा. न्ध. व. श. ॥ ८५ ॥ या. धि. न. क. स्य. वा. ल. वि. य. मि. व. ल. स. न.

॥ या ॥

१२

यमदत्तः शत्रुदः खविले. बाजाने राया विद्या गले. सिद्धि. दया
डा. चोले. थगेम वि चाले या क म्. थडा वन्धू धर्क धय ॥ ८५ ॥
॥ ताव शुद्धि मनूष्या नां ह्यन व्यं सर्व क म्मस ताव न. ये वि
ना काना. ताव न इह नानना ॥ ८५ ॥ ॥ मनूष्या या शुद्धि
शले. ताव न थका. स म्. क म्मस गध्व कालसा. स्त्री या रवा
वृक्षना या न. ताडाने. म्मा व. वृक्षानया न. ताडानी ॥ ८५ ॥

१२

॥ नक ॥

नदवा विद्यन का छ. पाषा नन च म्म थ. ताव पू विद्य
नदवा. म्मा ताव म्म ह्नी ॥ ८६ ॥ ॥ सिद्धि द व म्म इ. लोह म्म
द व म्म इ. चा म्म द व म्म इ. द व श्ले. ताव न थगे न. ताव न
डा व न ॥ ८६ ॥ ॥ शिष्या नां द व न चा र्या. ह्यन मा चा र्या
द व न. द व न जा मि ना र्ता. वा म्म नी जन द व न ॥ ८६ ॥
॥ शिष्या या द व श्ले. गुन्. गुन् या द व श्ले ह्यन मि म्मा

॥ वा ॥

३०

यादेवशूलं. हा. लो. ना. समस्तं. लोकयादेवशूलं. वा. अ. वा.
॥ ८८ ॥ विप्रपस्य जथा वक्रि. वा. वा. र्थप. म. द. व. ना. प.
थी. प. म. ज. अ. मा. ना. मि. र्थ. प. म. ज. था. सु. गो. ॥ ८८ ॥ वा. अ. वा.
स्वयशूलं. अ. ग्नि. (थी. गु. व. स्वयशूलं. द. उ. थी. मा. म. स्वयशूलं.
द. थि. थी. मी. य. स्वयशूलं. का. य. मो. रा. थी. ॥ ८८ ॥ गु. व.
र. ग्नि. दि. जा. गी. नी. व. र्धु. नी. वा. अ. (८८) गु. व. र. प. नि. वे. की. गु. व. ॥ न. क.

३०

॥ न. क.

श्री. नां. सर्व. स्या. त्या. ग. नी. गु. व. र. ॥ ८८ ॥ वा. अ. वा. या. गु. व. र. शूलं.
अ. ग्नि. पे. ना. जा. न. या. गु. व. र. शूलं. वा. अ. वा. मि. सा. या. गु. व. र. शूलं.
थ. डा. हा. ल. ना. सम. स्तं. यी. गु. व. र. शूलं. अ. ग्नि. न. अ. त्या. ग. न. ॥
८८ ॥ उ. क. म. स्या. वि. व. र्धु. स्य. नी. ची. पी. ग. रु. मा. ग. नः. पू. ज. नी. योः.
ज. था. न्या. र्थ. सर्व. स्या. त्या. ग. नी. गु. व. र. ॥ ८८ ॥ उ. क. म. ना. न. शूलं. सी. नी.
च. डा. न. शूलं. सी. अ. ग्नि. न. शूलं. या. डा. अ. म. र्थ. नी. न. डा. यो. डा. य.

ॐ
३१

प्रपूजायायमाल. स्यामिनि. अत्पागकथुकागु व॥ २० ॥

दवनापूजयतस्कारुत्पादामनपूजयतु. सुदपूजाप्रकालेन वि
षादामहिवन्दनं ॥ २१ ॥ देवपूजलपेतावनं. उग्रमपूजलपे

दामनं. सुदपूजलपे. कावदा. सुवचनं. याथमाला ॥ २१ ॥

धर्मस्यमलनाजान. रुपा मलनुवा मदाः वा मलपजयपूजं न. य

यधर्मसनागनः ॥ २२ ॥ नाजायामलशर्लधर्मा. वा मलपया ॥ २२ ॥

३१

॥ नक

लंशर्ल. तप. गलवा मलमानययाग. अ नधर्मधीय आय

॥ २२ ॥ आचार्यः रुलनधर्मा. माचार्यः रुलनधर्मा. आचार्य

वा रुलमाप्रानि. आवाशदगं वज्जनं ॥ २३ ॥ धर्मरुलनयइ

डी. आचार्यन. धनदयीडी. आचार्यन. रुलनद००डी. आ

चार्यन. सुमलया. कल्यानधायं. आचार्यन. धुका ॥ २४ ॥

॥ राजशोजनशक्ति. वनिशकीवलकीयः. विहाशोदानश

किंश. नाल्यस्य. तपसुरुल ॥ २५ ॥ नयइ मया. नयइ मया

कंलागइ न्या. वगिहात र्यइ. धन धूल्लाडा. वागा इडा. धात
 तडा धनयात पइलें या रु लः॥ २४॥ वालवेव चरे धर्म
 सनिहंखल जीवीनं. रुल्लानामपियका ना. गत धर्म पतन ध
 वी॥ २५॥ वालवेल्लसं. धर्म यायमा लः अनिहंसीता लम
 रु न गध धलसा. किं गुमिहाडा. धर्म शलि रपतन इयी
 डा॥ २६॥ सदम्ह र्च. रुगा धर्म काटनेवरु न तपः अहं

वहर्नहर्नानी प्रमाद नहर्न शर्न ॥ २४ ॥ अहिका बली धर्म
 योडा फाटनी न पथ योडा नीरुध यमड नडाडा हान हथी
 डा फल मदन डाडा दे दासा फर योडा ॥ २५ ॥ अदि
 फर नोहना सामा उकि वसा कि कि हत ड पजी व्याहना कन्या
 स्या रथी पाक कि याहना ॥ २६ ॥ मिम डाल डा हा मडा
 बडल सा डिम दस के नया अन्न डाल डाली दाम काया ॥

॥ वा ॥

३३

विषाडके न्याहो वरुली धडातः अर्थ नयाना पाक रोन
॥ २० ॥ दाविडा व्याधिइः रवानो वन्धन व्यग्नाना
व अउः रुलमगानि र लमाधान विडि व्यन ॥ २८ ॥ पुर्द
मस्तदा नमया काया रुलम दवी प्रशयीडा वन्धन शयीडा
अपदानकया डा धन न दान धर्म याय माला ॥ २९ ॥
पुलका न वन्धन व पुलका न व ड नु पु ना द श म म न ॥ न क

म
अपयच धर्म वहि मृग ॥ २९ ॥ धर्म स व स ड डा म न म ड ल
व स ह दां का ग लि ड म ल्थी ड नु म ल्थी थन नि मि लि न म
न म्प न नि ठ व य न धर्म याय माला ॥ २९ ॥ ए ड ड ड न सी मानी र
डा सा धु स मा ग न कू व प ल्थी म दा बा र्थ स्म व मि ली म नि ल्य ना ॥
॥ ध्य अ सा व सी सा व स ड ड न ड ड मी ग ना ल न माल सा पु ड न
डा पु मी ग या रु न वाने कि न धर्म या चि ना या रु न धर्म ली

५
३४

॥ अनिष्टप्रकर्षा लपमाना ॥ १०० ॥ ॥ अनिष्टावान्क्षसा
॥ समीपह प्रथममङ्गकसमापः ॥ ॥ अम्भार्थचक्रुषाविद्याः
नवेन्द्रानीतिचक्रुषावदार्थचक्रुषाविद्यान् नवाऽश्वात्र
चक्रुषा ॥ १०१ ॥ हानियामिषाः क्षयमाश्रुः वाजायामिषाक्षयानि
निःक्रुष्टायामिषाः इलीः वदार्थः ॥ नवक्रुषामिषाः इलीः सर्वसि
ता ॥ १०१ ॥ वाजाधर्मधम्मः पापपापसमागमः वाजा ॥ नव

३४

॥ नव

नदनी वृहिस्यात्तथावाजात्तथाप्रजा ॥ १०२ ॥ वाजा
धमीइलसाप्रजाधमीइयडावाजापापिइलसाप्रजाया
पीइयीडावाजायाइयडिइलसाप्रजायाइयडिइयडीथ
ननः वाजासि नमालराधेवाजा नयान अथप्रजातः
यायाडमा ॥ १०२ ॥ इधर्मसारसं धेयवलवृषियवाक्रमः
षदन् यस्यतिथीं किन्त्यदवापिगीकिन्तः ॥ १०३ ॥ इध

५

॥ वा ॥
३५

मिताहसीधय्य वलवृद्धिप वाक्रम ध्यपमानसिद्धि क इल
काडाद व स्र धर्मिषा वाडा ॥ १०३ ॥ सामदान नर दन
क्रमनच वलनच सर्वावलु स्र ध्य ग रु घाट नीया
नराधिप ॥ १०४ ॥ साम्यनदान नर दन कर्म यादो नी व
लन ध्य क ड पायन ग रु मा च के माल वाडा नी ॥ १०५ ॥ पा
ठ व्यागी म्पु या मि ~~वा वि रु ने~~ स्र ह ग म्पु वा ध्या न

३५

॥ नक ॥

सिद्धि ध्या न एतद

॥ १०६ ॥ स्यादस्र व्यागी गुलासना

मि उरु लपे मु पवीजन इ नाप सा रु न वा ध वरासया ध्य
दाना वाडा इल ध्याय ॥ १०७ ॥ इरुमप्रतिपादन गुवाह दन
यादय लुद्ध मर्थप्रदान न समु लप याक्रम ॥ १०८ ॥ स
पु व प्र डा इ लपे नमस्कावन गू व डा इ लपे र द न लोहि डा इ ल
प दामन उ ल न डा इ लपे प्र याक्रम न ॥ १०९ ॥ अत्मा चिन्दि

॥ वा ॥
३०

वा ॥ भक्ति ॥ ११० ॥ थडा विपति इलहाडा. गक इलसी वस कय
माल. थडा संपदि इलहाडा. वस कया गक. वलपा. लाह नस
नाक रि लथी. गक. गक. माला ॥ ११० ॥ हजि का कडक स
ह. मधू. किन्नरा वस. मधू. वद कल्या नी. ला. काय मधू.
प्रिय ॥ १११ ॥ हजि का. स. पाल वचन. दाय. वाक वचन मय
महा लहा. समल लाकयी. वाक वचन प्रिति इडा ॥ १११ ॥ जि ॥ न

काय वस लक्ष्मी. जि का. गुमि वान्धवा. जि का. गुर्व
व व. मय. जि का. गुम वनी पूर्व ॥ ११२ ॥ लक्ष्मी द ०० डा
वन्धन इयी डा. थडा मय मथका ॥ ११२ ॥ प्रिय वाक्य प्रदान
न. सर्व उष्य निडी गवः गस्मा रुद वहा गयी. किर्व व नन्द विद्रा ॥
११३ ॥ प्रीय वाक्य लायन हाडा मम मय पालि मी नाय डल. थन न. व
वनया. व बीड इ यमन डा ॥ ११३ ॥ अग्नि दा गवद. से वडा
मुपाति. वनाय हा. कडदा वाय हा बीच व उर आगना

॥ वा ॥
३२

सावति ॥ ११० ॥ बाजाया मंगल माली मिया अंग
सावती का तु धय स्थान या हा लिय मंग डो बाजा या
धर्य ॥ १११ ॥ अविमी उम दासी म म धर्य ॥ ३२
रागु न ४ जी न व द्या ति म दात्मा स च सर्व य न उ धा ति ॥
११८ ॥ अ क मि व म धम धा थ गु न धा न म सी लु डा डो
ध म्म दा न ना म इ यी डो ॥ ११८ ॥ अ ना र्य च व य र्य रु चा ॥ न व

अ ना थ क ल रु प्रियः अ रा उ ल स र्व त कि च न व ४ श्री धी वी
व र्ध म्म ति ॥ ११२ ॥ आय म ल्म म न डो म्म बा जा म द्द म म
लो य न डो म्म बा ग नं क र्या डो चा न नि दं म नि द न
डो म्म धा न या य न डो म्म न र्का व ली रु यी डो ॥ ११३ ॥
क ४ काल ४ कानि मि जानी का द म ४ का व या ग म श क
स्या ह का व म म कि वि मि यि ना म रु न रु ॥ ११४ ॥ का

॥ वा ॥
४०

लक्ष्मणाय नमः मित्राय नमः दशभयक इहाडाह पिडाह
दक्षाय नमः यमसामर्थक्ये विचारविवेकाय नमः
निनयाय नमः ॥ १२० ॥ सिद्धदेवकादेव हिंसा
विश्वकर्म वायास्यैव शिखरपद्मसुन्दरीग
दहा ॥ १२१ ॥ सिद्धयाके चन्द्रायुग वाहा लयाके
मा. लयाके. पन्ना. कोरवयाके. दाना. विचारयाके. पुनः

नक

मन्त्राय नमः स्वना. चन्द्रायुग. मनसुनसुनसाला ॥
१२१ ॥ प्रहल्लकार्यमल्यवाङ्मनः कर्तुमिच्छति. सर्व
रतषककार्य. सिद्धदेवकादि विधिय ॥ १२२ ॥ चक्र
यायाके. शालवनिम्य. ममिधनाल. मनाल. चक्र
मागुल. सिद्धयाके सनमाल ॥ १२३ ॥ ००० डीयादि
प्रयस्यवकवस्यति नानवठकार्यकालसमस्तनस

५५

॥ वा ॥
४१

वकार्यनिमा धय न् ॥ १२३ ॥ बौहलार्थि हानि प्र
प्र. ल. प्रमकार्ययाय मरु नाले. ०० न्द्रिय दकी. नि
गुरुयाने इय कार्याया. अडास वडा पुन. समरुका
र्यायाय. धन वौहलयाके से ने ॥ १२३ ॥ पुगुत्थनी
वकुर्वच. सविगार्गच वरु म्पुय माक म्पुंजिम शिष्य चत्वा
त्रिकुर्वट ॥ १२४ ॥ द्वि. धर्मार्थे दने. गकडा इ ध्याय हानि ॥ नक

वधूडतिरवने. कला न मावा गा. सहिगनी. यिकाडा
नय. धवपेगा गु नरवाय के से ने ॥ १२५ ॥ वका. रि
चाल्पसं शुस्र सनि डा श्री घु रंग न १ स्वामि न क
स्वस्वयय. वद न स्वा न का गु न ॥ १२५ ॥ वन गा. अ
दीक नय. मद न चि ला य न सं तु एव य. श्री घन ली द ८८
न नाने द ने स्वामी र क गू न इ य. धवपेगा. रि व वाया गु स

॥ वा ॥
४२

य ॥ १२५ ॥ गुरु मे धू न ध ह त्वं का ह वा ल य स ग ह
॥ अ प्र मा दि स य ह म्ब प र ति षा च वा य सा ॥ १२६ ॥
॥ मे धू न स गु फ व ल स ड क य व ल स ह्ना नि र्व व ड च
न ल प प्र मा दि म ड य थ सा गा गु र को ष या क स न म
ल ॥ १२७ ॥ प्र वि श्र न व रु हा न शी ना कू च न वि द ति
ह री गु ष्ठा र्व नि र्ण शी नी ति षा च ग द हा ॥ १२८ ॥

४२

॥ न क ॥

थ डी श्र म आ स म व य वि द गा प नी डी स ह य य द ह
न स उ ह र य थ सा गा गु न म भ या क स न ॥ १२९ ॥
वि ग न ग गु न म शी का य सु क्क या दि व ड र ४ म ड य नि रि प
स र्व वि ड य र्व वि षं ति ॥ १३० ॥ थ नी गा गु र व क्र र
ध ल ल प ल अ क्र वि च ड र भ य स म र्क ग क ड य ल
पि डी थ क्र स नान ज य ल प म र्क ॥ १३१ ॥ अ म र व य

॥ या ॥
४३

मनूषीनां मनूष्यवत्तमा पयस्यसाय काले नमसावतिवि
ग्रह ॥ १२८ ॥ मूर्खिम इ डी लोकन समर्ह्य थंडाका चिह्नस्य
वयाडा, पयस्यव, अपकात्रा उसाधूजनयाविग्रह
इयाडा ॥ १२९ ॥ नकाद्वयधियात्रीवायवलीतिमहादूर्
वज्रसाधिता, विनस्यति, त्वं पुनर्वर्षादिना ॥ ३० ॥ मा
उवागल, पाथच, वल, समप्रसवादि, त्वं पुनर्वर्षाया

४३

॥ नक

म२

पंक्ति, धियाधिवीयाडाडा, मूर्ख इ यडा, थ्व गन
डाक्र, वीयायम गडा ॥ १३० ॥ वशनगानिकुर्वीत, यन
कनापिहृतिः ॥ अउवानव, लभपूछे ४ प्रादाश्वर्थियः
थ्या ॥ १३१ ॥ विपलिस सयाक तजलपान, तादलयमाल नामच
इनी, माकलहालू, लाचविनाडा आयदामा कययाय
॥ १३१ ॥ इसरीसागमीहीर्णसमयंवानववल, अहूतपूर्वः

॥ वा ॥
४५

नामन. सउवंधसमानः ॥ १३२ ॥ इन्द्रवज्रया डा चोद समुद्र
चिक्वन. वानवमाजने सीलात्रया सादाडा. श्रीनामचन्द्रन सम
प्रह. सउवन्धयाक समुद्र लडाडा. चिक्वन धुइलली का
ययाय ॥ १३२ ॥ ययेजानवयर्षीच. विशाचचपवस्यनी ॥ य
कनाक्रममानषू. वयंर्षीडा हरगर्ग ॥ १३३ ॥ इधियिन. इ
जाधनहाडा. धिक्वन. गगनधुक्कि. जिपनिनाम लुकि

४५

नक

स ३

ज विनायका डा चोका. मेव. लायया लनाडा. इक्. धि डि
गगनधुडा डा झडा. इइ. यिडा ॥ १३३ ॥ धिक्वाहित्या चत्मापि
कृत्वा. वेविमगातर्क ॥ हानयः समतां श्रीतीजप. यवय
वचः ॥ १३४ ॥ इ दहदन. वेवी. लायय. यडा झ. थडा. यवम
यव. वेवाथडा इयमडा ॥ १३५ ॥ चिंता कलामनूष्यानी. मइय
नीमेथनी कली. असोताएय कलहि ना. वसु नामानपाकल
॥ १३५ ॥ मनूष्याया कलइली. चिंता हलया कलइली. मेथ

॥ वा ॥

५५

न. स्त्रीया कल. स. त. ग. म. म. र. य. व. ल. य. अ. क. ल. इ. ल. नि. ता. ल. ॥

१३५॥ अं. धा. ज. नाम. नू. ध्या. ना. मन. धा. वा. जि. नां. ज. ला. ॥ अ.

मे. धू. न. ज. वा. स्त्री. दा. म. धा. ना. मे. धू. नं. ज. ला. ॥ १३६॥ मन.

ध. धा. र. यी. डी. अ. पा. ल. हा. ल. ना. डी. स. ल. धा. थ. इ. यी. डी. म. दा. य.

का. म. मि. सा. डी. धि. इ. यी. डी. मे. धू. न. म. द. ग. दा. डी. स. ल. य. अ. ज. ला.

मे. धू. न. या. ग. हा. स. ॥ १३७॥ क. हा. वृ. हि. ष. ना. धि. ना. क. हा.

॥ न. क.

वा. सा. नि. ना. श. या. ल. ट. पू. र्वा. र्थ. सी. यू. कू. : सर्व. क. हा. ड. वि. ड. ना.

॥ १३८॥ म. नू. ध्या. या. क. हा. ल. मे. व. या. अ. धि. न. न. वा. व. रु. न. क. हा.

ध. य. अ. धा. नू. य. म. ध. ल. धू. या. सि. न. क. हा. अ. य. क. पा. त. डा. ध. क. लि.

प. म. स. ना. डी. न. रू. सी. डी. ॥ १३९॥ अ. र्थि. ना. धा. धि. ना. म. र्ख. ष. वा. सी.

प. व. स. व. क. ४. जी. वि. ना. पि. म. र्त्त. पंच. पंचे. त. इ. : र. व. ता. गि. ना. ॥ १४०॥

॥ सु. नी. अ. र्थ. द. य. के. ध. के. इ. डा. म. धा. धि. न. उ. क. या. डी. वा. ड. अ. स.

॥ वा ॥
५६

दीपि वद भग्नोद म् मवया सुव क इडा म् थवडा म् म्वातः
सा सी क थ्वी ॥ १३८ ॥ याय उ निरु माया वि उ रु वापि दि न
दि न ॥ सत उ ल य गी या नि य दि ज क स मान वः ॥ १३९ ॥
ग व म् म नू धी नि र्वा नि र्वा अ डा ठा न यी डा अ म् म नू धी ॥ १४० ॥
अ उ ल य इ ल सी ह ल का श यी डा ॥ १४१ ॥ प वां न प व या टी प
व स्ती यः ॥ प व स्य च गृ ह वा सः ग क स्या पि त्रि यं ह र्त्त ॥

५६

॥ न क ॥

॥ १४० ॥ म व या अ न न स्य वा द ड म् म व या डा स न नः
मि या डा इ डा म् म व या सु स चो ड म् म व या क ला न या क
डा म् म् ड डा उ ल य इ ल सी थ य पाल म्मी ना स इ यी डा
॥ १४० ॥ अ हि व र्ध म् दा सी नी गृ ह ए म व स र्व जि म् ॥ प्र तिः
क्रि य क ल गं च ग ल क स्य प वा वि विः ॥ १४१ ॥ स र्व स
म इ म् उ दा स क स धा र्म इ म इ म् क क न ग ल ली

॥ वा ॥

४०

लयाययडोक्र. थधिद क्र. थाम. नव कडी. उल्य. थया ॥ १४१ ॥
॥ सुलजयायदा वाभी. लभनसु न्दगमिनि. धनकगीयदा ॥
गीतामदाग. इः खहामि न ॥ १४२ ॥ वापचनु या. पू. वा. नः
डाधन. थन. लभिनया नायाडा. इली. नायाय. जी. नाया. सु
नाहाक. थमिन इखिशल ॥ १४३ ॥ यापउ निलमायातिः
लुक. वापिदिनदिन. सुवचल पू. नायांति. इदि गक्र. समानः
वः ॥ १४३ ॥ ॥ वक्रम. नू. धान. ॥ थमय. सु. इहा. ज. नाथः ॥

४०

॥ नक ॥

सुनययडा. ००. नुडा. उल. इ. लसां. या. द. र. थ. ड. इ. लसां ॥

१४३ ॥ विवेहेः सर्वपू. न. न. ग. वि. वा. सि. द. हि. नः. चा. भु.

लापिनव. (३३). ज. स्या. नि. वि. ल. धनी ॥ १४४ ॥ सम. ल. म.

नू. ड. व. ख. न. पू. जा. या. ग. ग. वी. ल. १. जा. या. ग. म. र. व. ध. न. द. म.

सा. वा. भु. ल. सि. थ. इ. ल. इ. रु. म. म. न. थ. म. म. या ॥ १४५ ॥

धर्म. मा. रूः. प. र. ध. र्म. ध. नः. सर्व. पु. नि. ही. तं ॥ जि. वं. ति. ध. नी.

या॥

४४

यकृद्विद्यासमासेन लङ्करीं सुषड्वयाः॥ १४८॥ यथा
नः इत्यध्यायमेव यावत्समाप्तवान् च यथा हिनीं सुखं भवत्य
इत्यन्तं ह्यनवीनं सुखं यानि इत्येयानि वक्तव्यं यत्
य॥ १४८॥ सोति श्रुं कर्षकां नित्यं सुखं नित्यं मनोनि
नां ताया एव सायस्य गत्य निष्ठा सर्वं गृह॥ १४९
॥ ह्यति कृशं लङ्काडा किं मनया कृशया सुखं भवत्य

नक॥

४२

च लम्बं लम्बं योगमदं क्रिया सुखं भवत्य हनी कृशं क्रिया
यडावत्समाप्तवान् च यथा हिनीं सुखं भवत्य॥ १४९॥ सु
खं स्मानन्तं वदः खड्ग इत्येयानि नक्तं सुखं सुखं इत्येयानि
ष्यानी च कृत्वत्य विवर्तते॥ १५०॥ सुखं यथा ज्ञानं वदः
खड्ग इत्येयानि नक्तं वदः सुखं मनः यथा सुखं इत्येयानि
या च कृशं लङ्काडा॥ १५०॥ वदुहि सुखं स्यात्ते वदुहि

या

५०

पशुवृहिशिः॥ द्यादयानि गुरुमसर्वमद्यवीवदिवाकवः

॥ १५१ ॥ अदिकमरुवमडा. गुहाहानख. व्यथडाली. गत्यडा.

कालमा. सूर्ययानडा. मदननी. गडनी. नाकपूडा. ८थी. अथी.

१५१ ॥ असनासहसंरुन. कोनजास्यधमागति ॥ यथापिउम

श्रुतीरु. रुमद्यमीत्य. विधियरु ॥ १५२ ॥ असर्जनडा. मीगः

शलजाडा. डरुममन्या. अधमशल. अथसविनिया. लाहा.

५०

॥ नक ॥

५०

तस. इरुशलसी. थ. वकी. काल. ८थी ॥ १५१ ॥ अससंपर्कदाः

षल. अधमायांनिसाधवः ॥ मा. जषू. निमित्रस्यकः समापिवि

समायन ॥ १५२ ॥ समाधूडा. दादापरी. साधूजन. अवा

जन. गथी. विदुननाकपूल. माथीडा. ८. ली. माथीमडा. ८. लथी

॥ १५३ ॥ डरुम. सहसंलग्न. कोन. जागिसमन्वर्ति. मर्षिः

नानानिष्पयंरि. यंदिरुः ॥ कसुमः सह ॥ १५४ ॥ सजन

॥ वा ॥
५११

डा. नापचोदानी. सपूषणजवनडा. ग(थ)नसा. लाकः
खान. स. नापकनान. घावसुधन. मोलसुचान. थ(थ) ॥ १५४
॥ किंवा गोष्यं निसंपर्कः स्वतावाइवनिवाम॥ पउमस्तुरु
लमध्वरु॥ कषायानां मृगांगन॥ १५५ ॥ नापचोदानी
काश्याय. स्वतावहलेमरुनफाडा. ग(थ) अवलयाइन. वाः
नपू. काक्या. रुक(थ) ॥ १५६ ॥ सक्क वावसर्वध

५११

॥ नक
५११

न. म(ध)नीवः प्रनिक्षीतिः मधुकिरसमायूक. निंवकीम
वूनायन॥ १५७ ॥ साधनयाइन. गुत्रियिडाडा. थयादथम
त्रियइथकाजगय. थयानइइ. ककिनलरवय. थ(थ) निपचा
कुरयमइससाडावसु. थथि नापचोदानी नमजिजा॥ १५८ ॥
पुस्तकवूवयाविद्यापवरुसूषयइनीका र्यकालवसेष
फ. नसाविद्यानमइनी॥ १५९ ॥ पथिस. चोस्यगयाविद्यामव

॥ वा ॥

७२

या. लाहगस. वा. द. धन. थडा. का. र्थ. म. प्रयाग. या. य. न. ल. द. डा. ड.

थ. वि. यान. वि. य. म. ड. थ. धन. व. न. म. ड. ॥ १७१ ॥ ५

य. रू. कानि. च. मि. शानि. नि. स्त्रि. रु. यि. र. वा. न्ध. वा. ४ ॥ कि. प. या. ड.

न. क. रु. व. म. र्थि. गा. नि. स्त्र. ला. नि. वा. ॥ १७८ ॥ ना. पा. ले. वा.

द. मि. उ. मि. न. रु. म. ५००. द. रु. प्र. या. ड. न. ना. ल. व. ल. स. र. व. न.

म. इ. ध. न. थ. ग. नि. स्त्र. ले. ॥ १७८ ॥ अ. ट. व्यां. रु. म. प. र्थ्या. नी.

७२

न. क.

७२

इ. व. ला. थ. पि. वां. ध. वा. ४ ॥ का. न. वा. ल. र. व. रू. ग. म्भ. य. ४. का.

थ. ना. प्र. मि. रु. ति. ॥ १७८ ॥ व. न. स. वा. न. स्या. न. ना. यि. न. वा.

क. व. थ. ग. न. व. स. म. ५. वा. थ. डा. न. या. गु. थ. ॥ १७८ ॥ प्र. रु. व.

च. न. दि. न. स. क. र्म. हि. न. स. या. न. व. नि. र्थ. उ. क. ना. क. स. र. स. म.

न्या. रु. ग. या. य. थ. ॥ १७० ॥ प्र. रु. म. इ. व. च. न. थ. म. स. न. या. थ.

नि. व. ध. या. व. डि. ग. थ. ना. क. य. ल. स. नि. स. द. ल. य. थ. ॥ १७० ॥

न

॥ वा ॥
७३

कागयर्हं अविशर्हं दीपणा कन रुक्म्या च त्वा वा निरुल्ल
यानि प्रहास्य जायदम्बली ॥ १७१ ॥ विशाया युद्ध अविपनिम
अर्हं स्त्रीपुत्रपुत्रायी अस्थजडास्य अपमानिरुल्ल ॥ १७
१ ॥ निरुल्ल लाक्य (तास वा निरुल्ल वा वनि चाड वि दोषस्य
क जीवस्य अतिविप्रम निरुल्ल ॥ १७२ ॥ कृपनया कया
कासडम वागिया क वनि सुख इः स्त्रीया गोत्र वा झुटा डं डाय

७३

॥ नक ॥

७३

काथ ध्यात निरुल्ल ॥ १७२ ॥ वलयगुल्ल डी प्राहा विव
पामपिक न्यकां ॥ वृषसिनी न विचस्य वैवाह्य स डगी कुल ॥
१७३ ॥ हानि भूत कन्या विय डने सुकुल स विवय डल
मी सुकुलया अमाचम वा विवाहाया धन डी हा ड डल मा
नाच जात म न डी आसा थ डी मिह्या अमाचम माला ॥ १७
३ ॥ विषाद वामन गुप्त समध्यादपिकां चनी चादयूर

॥ वा ॥
५४

मां. विशा. श्रुतं श्रुतं दया ॥ १७४ ॥ अमृत वसुधै कविषु
वानसो कायमाल. अपविशु. योनीं सी. व. सु. कायम
डा. नीचजातिया क. वानसां नी. उरु मविशा. कायमाल.
कलीशिलसी. मिसा वल काथन डा ॥ १७४ ॥ कस्यदारव
कृत नास्ति व्याधिनाका नपीठिगः ॥ कनगद्य सनीया
क. गीय कस्य निरी गरी ॥ १७५ ॥ मया कृत मया धर्म

५४
॥ नक ॥

३४

वीना वप्रतिवता मनष्या नी नृप ४ प्राह. दश नाय जनि दति
शा १७२ ॥ नदि सीम (गु) मिसापति पुता म (गु) म नृप
वाजा (गु) दश गाय डा वाना गुलि (गु) ४ ॥ १७२ ॥ पूषा
जना की नृ. दासी दास. समा कल ॥ सा सी विवहि नृ प सी यथ
व नृ ग थ ग ॥ १७० ॥ काय कृ. वल. कानिन. मयू क र न
सौ क लान म द न डा डा. थ क या. ऊ. वन (थ) ॥ १७० ॥ सर्व धीः

॥ वा ॥

५५

भवत्तानीसीयवत्तमनहम ॥ हमा रुद धनिवता गया लकाधन
नकिं ॥ १०१ ॥ समस्त वत्तदलेसहडाधुधय नीवत्तकायथुका धन
न. धधि. ली. माल. गाडी. धनन कयाया ॥ १०१ ॥ कस्ती हंती क
टवानि. कूपु. हन्यन कूल ॥ कर्मणि हन्यन राजा. बापु. वी. वटा
हन्यन ॥ १०२ ॥ कूपु. वहन. ममिमा. नक. व. रू. नकि. डा. कूपु. नक
लरू. नकि. डा. कर्मणि. न. बा. रू. नकि. डा. बा. रू. स. घनी. रू. नकि. डा. बा. रू.
रू. नकि. डा. ॥ १०२ ॥ ली. ली. दा. व. ४. सहस्रानि. ३. ल. ली. लि. म. हि. य. न. ४ ॥ नक

५३

॥ नक ॥

५६

इ. वा. ग. न. म. म. क. डा. स. य. डि. ३. र. व. म. रू. डा. नि. व. म. र. म. य. डि. र. य. डा.

॥ १०३ ॥ दा. वा. पि. डि. गु. (रा. प. य. मि. नि. गु. न. र. वा. पि. जा. य. न. स. क. म.

व. स. य. प. न. म. स. य. ना. ला. र. व. नि. क. र्क. गा. ॥ १०३ ॥ दा. वा. पि. डि. म. क. ल.

म. म. क. य. म. क. ग. य. प. ल. ल. वा. न. का. म. ल. थ. य. या. व. क. का. व. थ. य. य.

१०३ ॥ अ. म. न. जि. जि. ल. व. दि. नि. अ. म. न. जि. व. ता. ऊ. न. अ. म. न.

ग. न. व. मि. रा. र्था. अ. म. न. वा. ल. रा. धि. र्ता. ॥ १०३ ॥ वि. कू. ला. न. म.

॥ वा ॥

७७

मृगधाय मि. गुहाने मं शं कं कलनी अमृते की वजां अमृते
वाल्मषया वचनं अमृते. ध्वपिगी अमृते धाय ॥ १७८ ॥ इन्द्रा
प्राकृती वापी. इन्द्रा मु कुमी पृष्ठ इन्द्रा च सह नावी. इन्द्रा
हं वचनं धियी ॥ १७८ ॥ इन्द्रा इन्द्रा. प्राकृति वचन. कुमाडीना
स्यामि इन्द्रा. हन्वी. थडा हि गया क. कलानी इन्द्रा. लोय क दु
रव. लोय म डी ई. इन्द्रा ॥ १७८ ॥ नदिनी जा फ (१) स्याना

७

॥ न क

हवा वसु गो स हि म त्र (१) प हि ना सह ॥ १७२ ॥ मिमाया दा धन को ल
हिना इ. गुल द म स गा द न. कु कु धल सा. कु ई व नि दान. या य. का य व
य क. प व व डी. ही म र्जि न प्रा दा गो व र्त ॥ १७३ ॥ क व य ४ कि न्न य ५
नि. कि न्न ह कु नि वा य सा. प्र म दा ४ कि न्न कु ल प नि म ड पाः ॥ १७४ ॥
॥ मं यो के वि. धा र्जि न. न. क वि पं ठि क. न कु म र व ड. का र व नी. कु म
न ड. मि सा न कु क म् म म या क. म न ड म ल नी. कु र व म लो क ॥ १७५ ॥

॥ या ॥
७१

पूय प्रयाज नासाया पूय पिष्टु प्रयाज ना ४ दिन प्रयाज नंभी रीस
व मात्स प्रयाज नी ॥ ११५ ॥ काय दय के या न कला न थडा न पिष्टु थ
य के या न काय हिग या न के या न मिष्ट थडा न काय न दास क न
दय के ॥ ११५ ॥ सम डाव न दी रूमि प्राका वाव न दा न ह ॥ न व डा
व न दा द ग ॥ अत्रि डाव न दा रूया ॥ ११६ ॥ सम डा न द डा प थि
प्रधा व न द य डा द ग न द डा वा डा थ डा च रिग न द डा मि
सा ॥ ११७ ॥ मग न दानि व वासा निन प्राका वा न व क ॥ न व दे ॥ न क ॥

७१

कूल नां ३

ने च व (प्र वा सु जी ला च कूल सी री ४ ॥ ११८ ॥ दू या वा स री प्र धा न
दा व का म डा व न्ध म डा कूल सी या रू को या थ डा गील न व डा
डा ल ॥ ११९ ॥ न दि पा ग री कूल ना वि पी म य रू नी न चि ख क
न द ल लि गा ग मि ४ ॥ १२० ॥ न दि न थ डा मि व कू मि न क ल मि सा न
थ डा कूल क द्वा री थ री न न दी नी मि सा न स्व कू न व ल ल
या डा ॥ १२१ ॥ ल गा पा ८ थ ४ थि रं व कू रू रू या ८ थ मि रं न प ४ या

॥ वा ॥
७८

उर्वरं पृथ्वी जायते वसूयं तिनर्गमाय ॥ १०८ ॥ सिमाक्षि
चानुगुचिन थडाड डान वाड सिमागयीडा जाजान थडाड
डान वीरु श्री प्रयीडा मोमान थडा थस चानम कय प्रयीडा
थ न इयीडा सीममाला ॥ १०९ ॥ नेवय ग्ध निर्याता न्ध कामा
रक्षरक्षमवय ग्ध नि ॥ नय ग्ध निमक्षमरु अथिदावन
पक्षनि ॥ ११० ॥ वृक्ष निर्य कान न न्ध मवन कामागु

७९
॥ नक

७८

प३

लक्षणं मखड ॥ ७८ ॥ ही कालि न न्ध मखड वन उदय
कालि न न्ध मखड थप निमकले कान मया ॥ ११० ॥
जी वूमन्न पज ग्ध न हाया चगन जीवना वराल्या गर्ग
री सख्य चग रुमागर्ग ॥ १११ ॥ जी वूडाड क नया अन्न
विदु जीवन डाल डाडा मसा हीड मरु सी सी ग्रम मस
यनीप डा निर्य डा डी हि द गम्य ह लसी छ (थ न डास

॥ वा ॥ लिङ् ॥ १८१ ॥ लङ्ग्रीलङ्ग लङ्ग्री नच कलङ्ग्री नमवस्यति ॥ अ
 पाउत्रमहनावी गि शीवषिति वासव ॥ १८२ ॥ वङ्ग वाम
 मायाक वाङ्ग लङ्ग्री कलङ्ग्री नयाक वाङ्ग सवस्यति ॥
 पाउत्र लङ्ग्री लङ्ग्री मिमा ध्वनः ॥ १८३ ॥ यस्याहार्या विवृपाङ्गि कङ्गनी
 कलङ्ग्री पीय ॥ १८४ ॥ उरु शीहववा शीव माङ्ग शानजवङ्गवाः ॥ नक ॥

५२

नक ॥

७२

॥ १८३ ॥ गवङ्गयाक लङ्ग्री विवृपाङ्ग धनमलाक लङ्ग्री यङ्ग
 यङ्ग उरु उरु वने उरु के यङ्ग ध्वन मिज न शीव
 मङ्ग लङ्ग्री यङ्ग यङ्ग यङ्ग ॥ १८३ ॥ यस्याहार्या
 पाव हलान मङ्गमिनी ॥ नीर्य मङ्गया विव मागी यन
 या शीया ॥ १८४ ॥ गवङ्गमङ्गया कलङ्ग्री अति सङ्गि
 वात्रगी नया यङ्ग वाङ्ग सदाकाली वाङ्ग वचन लङ्ग्री

॥ वा ॥

५०

थप्रपुत्रयाल श्रीमदनसीलमो ॥ १८४ ॥ यस्य

र्या गृहे निहृ गूनी चयविगकि कि ॥ नस्यसी दीनि ग्र शादिः

पद्मी निवहिमागमे ॥ १८५ ॥ गप्रया छे मे कलागन रिक्वा

न उद्या ॥ १८६ ॥ न्यायी डो थप्रया शरीर ॥ १८७ ॥ चिकलान

पलेखान सखलिगन ॥ १८८ ॥ थप्रया नदुःख इली

॥ १८९ ॥ यस्य गृहे पूरा यी चमाने वहि नका विदी ॥ १९० ॥ नक

५०

नेनस्यग्र शादि शुक्रपुत्र यथा शाशि ॥ १८३ ॥ गप्रया

दुसु कलागन मामने हिमयाना ॥ १८४ ॥ थप्रया

शरीर शुक्रपुत्र या चन्द्रमा ॥ १८५ ॥ थप्रया

जाने ४ वरु ति ४ पूर ४ ॥ १८६ ॥ गप्रया

कुलाल वि यशु बो शुभने कुली ॥ १८७ ॥ गप्रया

या डा छाय ॥ १८८ ॥ गप्रया

विडापनी पूरु छ प्रने गप्रया

॥ वा ॥

३९

कलधर्मधललधरुमइलसी ॥ १८० ॥ नकता र्याय ४
पूजा हरु वेदगधनव ४ कन्याका मावसानेपि नग्याह
निविक्रियं ॥ १८८ ॥ कलागकुम. कायसुम. थसा निजा
व. मासा. जिम. विपावडा म्या. च. थम्या. विकाले शयम
॥ १८८ ॥ नखवावहच ४ पूजा गया मका यदि वडन ॥
शेन व्यासमधन नीनी वा वषसुह ३ ॥ १८८ ॥ नवम

॥ नक ॥

कायदले कुम कायदले गयाडा नीश थमन. म. म. म.
षडा रुयाक थमी ॥ १८८ ॥ नकनगु कवडन दशमा
ननव क्रिना. दशम न वसर्व कयू न कलेयथा ॥ १
२० ॥ गडमिमुमा. मोननडा न. समसु. मोननव. थ. थ.
कयू कुम नी. कलसुमसु. रुगादिडा ॥ १२० ॥ नकना
पिसु वडन. पथी ननरुगन्धिना ॥ वासिन न वनसर्व

॥ वा ॥

३२

सुप्रभनकूलयथा ॥ १२१ ॥ मिमांसासुजागस्यानहाडा
नवनममममनस्वाकथ्य ॥ १२२ ॥ सुप्रभनकूलतिनकली ॥
१२१ ॥ अस्यपुत्रावसा उल्लिख्यार्या रुदानगममिनीवि
तवय्यपिर्षु ३४ स्वर्गमस्यमहिम्न ॥ १२२ ॥ गवभ्रयाकाय
कलात सप्रकथ्य वसासवान सनीस्यदिनगमकथ्यभ्रय
पृथिर्षु स्वर्गमस्य ॥ १२३ ॥ यपुत्रासुधिसर्वस्या सपीता

॥ नक ॥

जी

यस्युपाधक ४ मीमं यशविश्वसं सतायायनीयनि ॥
१२३ ॥ गवभ्रयाकाय वय्यावस्य ३ ल कायपीडा लय गव
थयस्यविश्वसं ३ ल ॥ १२४ ॥ मिमं गवभ्रमिमापू नूय्यावसास
वान थ्यभ्रकलात थय ॥ १२५ ॥ यस्यजिवकिं वनि विपु
मिशारिवान्धवा स रु ल जीवीर्ग नस्य आत्मार्य कान
जीवनि ॥ १२६ ॥ गवभ्र वा भ्रनमि ३ ल वा भ्र दयात कि

॥ वा ॥

३३

शूल. २० क्रम्याक धाय आत्मा शक. धल लपा डी. म मवाक

॥ १२४ ॥ मजीवनिगु (तयस्य यस्य धर्मः ४ मजीवनिगु

राधर्मविहिनस्य निरुल्लंगस्य जीविर्न ॥ १२५ ॥ गवक्र

यागुदाधर्मनीसैयूक्र. ध्यक्रम्याक धाय गुदीमइ. धर्ममइ

ध्यक्र. म्याकायानिरुल्ल. ॥ १२६ ॥ वाचासवस्य निगस्य

हायो नृपवनिमिश्र ॥ न श्रीत्यागवनिजस्य सुल्लंग ॥ नक ॥

स्य जीविर्न ॥ १२७ ॥ गवक्र यावच नस. सवस्वनि वानम

नृपवनि. रुनीमतिरु याड. चान. ल श्रीत्यागयाय सामर्थ ध्यक्र

म्याकायामाह लेखयः ॥ १२८ ॥ धर्मार्थकाममोह मयः

स्य कापिनविधीन. अजाग व ननसापि निवर्थनस्य डिं

विर्न ॥ १२९ ॥ धर्म अर्थकाम मोह ध्ययनासक नाम

इ ध्ययनासक नाम इ. सिक (ध्या ॥ १३० ॥ धर्म सत्यविही

॥ वा ॥

३४

नमदि रीया निच वि कीर्यं सुवाहा काल वरु व स्वयं
वेव पुत्रीर्य ग ॥ १२८ ॥

नरु क की नरु न धरु याम न न न कमिया ३३ म ग
धरु धम (ध ध म र्क) धरु इ ल ॥ १२९ ॥ ग शर पि मु (ध
वा च्या दा या वा च्या गु शर पि ॥ यु कि म र्क वा च्या य सं न
वा सी गु र् (ग मे व वा न् ॥ १२९ ॥ ग क र ल यान गु न क

न क
वा

य म ग ध गु या इ ल ली दा म क्रा य डा म य म र्क र क्रा
य म डा अ र गु मि र व ड ल ना स गु व या इ ल ली क्रा य र्क
म र्क डा ॥ १२९ ॥ अ क र वी न क र वी पा (ले ४ क र्क म र्क
व पि क र्क व म व क र वी पा (ले ४ क र्क म र्क व पि ॥ १००
॥ या य म र्क डा अ क र्क पा र्क ध न सी या य म र्क या य
का (ध य लि धा पा र्क ध नी (ध न सी अ व सी या य ना ल
इ ल ॥ १०० ॥ न नि वान क र्क य र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क

॥ रा ॥

५१

त्या नचवीगिकदाचनं ॥ ८ ॥ कल्याणसु सुमं व पर्वत वंच
लुपसागवसमन्दे रेदशुआ महापूषक रे काववेलम
वंचलमशुडी ॥ ८ ॥ विद्येगंही पूरपवं विद्येने वाम् (८) गप ४
पादूष्य विद्येने नीचदयासा धूष्य विद्येने ॥ ८ ॥ मिसाया के वंच
लेगाइ ॥ ८ ॥ मिसाया के नयसाइ नीचया के ॥ ८ ॥ लवचनदूसा
धूया के दयाइ धर्मइ ॥ ८ ॥ सा धर्मसागुनसागुन एवनिदह

५१

॥ नक ॥

विक्रियं उपकाल गान नापि दुर्जन ४ केन गच्छेता १० ॥ साव
जातसं मान्यया हानं थडास वीजनि पलारवुडा दुर्जनया
के गाना उपकाल या हानं थडाया यमाडे ॥ १० ॥ विध
वीधनिगमस्तानी नावद्व गमस्तु वीधयत् प्रत्येकपि कृत
दिप च कुदिनानपस्यति ॥ ११ ॥ स्तानी क गमस्तु न वीधयाय
जिडा मखम गमस्तु न वीधयाय मजिडा ग (थ) धलसा मगद
डा नितयानं काननं मखद (थ) ॥ ११ ॥ नाहिके लरु

॥ वा ॥
५८

लाका ला दस्य न क पिसर्जना ४ अन्य पिरद लाका ला वहि
ले वसनी बसा ४ ॥ १२ ॥ सर्जन र यी डी न काल (थं) पिडा न
काक दूडने का उ इर्जन श क वयल सि (थं) पि न र क का उ
इ न र क अ नि झूक ॥ १२ ॥ चन्दनं गी गल च नु चन्दन न
उच नु मा ४ च नु च नु न थाम्म (धं) सा धू सै प र्क गी गल ॥ १३
॥ श्री र व उ गी गल च नु मां गी गल थ नी ना या सि न सा धू ड न गी ग
ल ॥ १३ ॥ अ ध सा ध न मि र्द मि प्री ति मि र्द नि म (धं) मा ४ उ र न ॥ न क ॥

मामान मि र्दं ति माना हि म ह ना धनी ॥ १४ ॥ अ ध र्म ड न न धन र्ण
आ या यी डी म (धं) म म नू प न प्री ति ॥ आ या यी डी उ र म ड न
न मान्य ॥ आ या ग न डी ध र्म अ या धन ध र्म मान्य थू का ॥ १४
॥ म र्दिक व ल मि र्द नि धन मि र्दं नि या थि वा ४ वी वा ४ क ल ह मी
र्द नि गी ति मि र्दं ति सा ध व ४ ॥ १५ ॥ हा डि नी या व स र ली घाल
या डी न ॥ आ या यी डी धन नी च नी ला य ॥ आ या यी सा धू ड

॥ वा ॥
१०

कार्यविक्रम ॥ २० ॥ मत्तया कार्यस्य गुणि थडा कार्य ननानया
कचिकिधदमयाक वा जायाका र्थे पबाकमयाय ॥ २० ॥ जलने
विदनी चाना जल्लुगन न दग्धन स्वरलहिसर्जनाना मि
लाले विवगिस्त्रि ॥ २१ ॥ नीचया कार्यस लखस वा या र्थे
यातु नुसियमद साधजनया कार्य लाहस वा या र्थे कुर्यमरु
॥ २१ ॥ महामापद ४ सीगिमहामपि सपद ॥ नये चरन ॥ नक ॥

षष् नापदाने वसिष्ठ ॥ २२ ॥ गडाधद मया विपहिदु स
पहिदु ॥ हव जनया के विपहिं स द सीपहिमद ॥ २२ ॥ ग
उरुष्या निमर्कन वर ॥ अष वचन्द्रमा ४ विष्णु सम व लमा ४
० महर्गी कलसु पटे ॥ २३ ॥ महादेव सीगाषयाय सकपा
उन चन्द्रमा सीगायाय वरुन विष्णु सीगाषयाय समवेदा
न गडाधद मनष्या सीगाषयाय हाथद जलपाडा ॥ २३ ॥

॥ वा ॥

१२

अदवाकानं तासाचन्दनमीकलं इत्यंकरिष्येक विविधं
हलकटी ॥ २० ॥ खालरुक्मण्यलखानर्थवचनकहिथं
शीवपुथं गीमलनगलरुक्मण्यं कवेनिथं थल्यगा धर्याक
दयी ॥ २१ ॥ इर्जन ४ पिरा वादित्र नेव विग्धासकावती
मधु यवकिर्निहा ये हदिता राहनीविषी ॥ २२ ॥ इर्जन
मनरा थल्यकायू विग्धासयायमनडा मूउनरुक्मण्यं

१२

॥ नक ॥

हिहाडा थल्यकायू नगलहाकय थल्यनी नह थल्यनी ॥ २३ ॥
खल ४ मर्वपमा शातिपदिहिडानिप मधुगिरा म (नोविल्व
माशा लिप रधनेपिनप मधुगि ॥ २४ ॥ इर्जन मन पवया
दानसां ००० बका वहं थल्यकायू नगलहाकय थल्यनी
मां मयकी ॥ २५ ॥ दगनीया मधुगिरा मधुगिरा मधुगिरा
गुण ४ मर्वपमा शातिपदिहिडानिप मधुगिरा मधुगिरा मधुगिरा ॥ २६ ॥

॥ वा ॥

१३

वक्र इलसा मूर्ख न स्वयं न नाना न निगुनि इव स
चीनसा लाहा सिव हा हो थ्व ॥ ३० ॥ मूर्ख वाय विह र्व
उपय डी दिप द ४ प ल ४ हि द न वा क म ल न अ द ड क
थ का य थ ॥ ३१ ॥ मूर्ख डी अ माल न माल प्रय डं प गु व
च न हा हा न व लान क यी डी ग (थ र्व न म दू प थ न क या डी
नू य क म डि डी थ्व वा थ अ डी डी ॥ ३१ ॥ स प क ल ४ र व ल कू ॥ न क

१३

यस्योत्कृष्ट ४ न व ४ र व ४ म प्रोष धि व ग ४ स प्य ४ व ल क
नाप म म म न ॥ ३२ ॥ स प्य डी क द ड न डी क स प्य या सि न
द ड न डी क दान ध ल सा म नु डी व भि न स प्य सा ध य य
डी डी द ड न डी क क क थ न सा ध य य म डि डी ॥ ३२ ॥
ह लि ह ल स ह म न ग न ह ल न वा डी न ४ गं गि ना द ग ह ल
न द ग त्या ग न द डी ना न ॥ ३२ ॥ कि सि डी दाल धि क या

॥ वा ॥

१४

नकमालसलडा गगदि कृपामकमालदइमडा मिदृपा
नकमालइजमडा रुक द मयागया डाडा मिनी प्रकानडा
यीडा ॥ ३३ ॥ इर्जनप विहलव्यमसुनालंककायदि मतिनारुषि
कसप्यरुकिमसोनस्यंकवडा ॥ इर्जनमरुकनालममाल ॥ ३४ ॥
मसुसलसां गधमतिनरुषलपाडावानसी शप्यरुयंकल
(थं) ॥ ३४ ॥ रुसिनाकृगरुसन कविहसनवाजिनरुमीगीलगु

॥ नक ॥

उरुसन खमरुसनइर्जनडा ॥ ३५ ॥ किसिडा मूकमजानाडावान
सलडा वापूरुजानाडावान रुदमडा रुगामजानाडावान इ
र्जनडा रुक खमजानाडावानमाल ॥ ३५ ॥ पागपउविगष
रुधनूपनगयारी धरुनानी यवनेडी व कि यानि यवने विव
॥ ३५ ॥ पायमडा अयावम थलिदे डा वावल यान मानइ
विल इदमानकाने मप्यन नसवील पायडा अयावडा थलिदे
डा ॥ ३५ ॥ इदमकूमिगिहात्वा नापकनकदाचन कालइर्जनमा

॥ या ॥

॥ १५ ॥

यामि. एनह्ववक्रिवीजवन् ॥ ३० ॥ चिकिषनगकृष्णार्थ. इज्जनि
मसमगियमगडा. ग. थ. ग. द. या. च. या. दा. म. चिकिषनमिने. त.
मडल. थ. थ. ॥ ३१ ॥ बाह्वक. क. व. के. दा. या. आ. शि. नि. म. ध. धि.
ग. ला. ग. न. कान. च. धे. उ. च. क. उ. स्था. ग. न. वि. ध. त. ॥ ३२ ॥
खू. या. गा. दा. घन. या. प्र. या. के. च. य. गा. दा. घन. मि. य. मि. खा. या. के. ग.
त. छि. गा. दा. घन. कान. या. के. ख. ल. या. के. ग. ग. छि. ध. मि. या. के.
इ. क. उ. लि. थू. लि. म. द. ॥ ३३ ॥ ह्वा. न. कृ. ल. द. ला. वा. व. मे. य. ॥ न. क. ॥

हृदयत्रितयजन्. वि. ग्वा. स. न. उ. कार्य. स. वि. ना. श. म. य. ग. कृ.
मि. ॥ ३४ ॥ म. धि. स. थो. द. क. य. ति. द. वा. च. मी. ड. मि. य. गा. व. गा. ल. ग.
माल. कान. ध. ल. हा. वि. ग्वा. स. या. ग. हा. कार्य. ना. स. या. यी. ड. ॥ ३५ ॥
मृ. द. ने. व. मृ. द. ह. नि. मृ. द. ना. ह. नि. दा. व. र्ण. ना. सा. ध. मृ. द. ना. कि.
चि. ग्. ग. स्मा. हि. कृ. ग. श्री. मृ. द. ॥ ४० ॥ ना. यू. ड. न. का. उ. ह्वा. क.
रु. ग. कि. ड. ना. यू. ड. न. हा. ध. ल. प्र. म. डि. ड. कृ. न. म. द. थ. ग. न. का.

॥ वा ॥ कयासिन नायकः कयाय ॥ ४० ॥ वनप्रदल्लिगावकि
 दहन् लानिज कनिः सुमल्लानि मल्लयमिः मयापो यमदगा
 मले ॥ ४१ ॥ वनसमीदनी डः सिमाया हाषूनी लनी एवसिवा
 लडायुनी हासू धनी मल्लन थनी न नायगाव गधनायु ॥ ४१ ॥ १७
 ॥ हू ल शीमावलीवर्द्ध कन्मदवह हासिनी उष मासिच
 ऊयावि इव हू पविर्वर्जयन् ॥ ४२ ॥ सनडा पुथसा एव ॥ नक ॥

वाक्ककन्या गमाययडा पुथनी गापागर्क माल ममाल ॥ ४२ ॥
 बहस्यते दपे शुन्य पव दाषानूकी र्नी कल हप्र कतिं देव
 इव म ४ यनीवर्जयन् ॥ ४३ ॥ गुफ खीयिगडा कूनी मवया
 दापन उकाक कल हस्यगाड थनी गापागर्क माल ममाल ॥ ४३ ॥
 म्भवयाने गडानमह गाव चव प्रसुनिक मथा म न ४ पुवी
 दासि इव म ४ यविवर्जयन् ॥ ४४ ॥ सत्ययाव धमसु रडा

॥ वा ॥ ११ ॥ किति वा वडासा सिंधुका थामिसा थामयान नालनमा
 ल ॥ ४४ ॥ इर्जनं वसदासिर्ग पवस्वामि वनास्थिया एम
 जी र्ववस्व जी र्वचइलन ४५ विवर्जयन् ॥ ४५ ॥ इर्जन
 कडा मिययाय मे वया के वन इ डामिसा डि थि कसा खाग ११
 लशडी डामन थामयान नालनमाल ॥ ४५ ॥ नविश्व
 सदमिर्ग मिर्ग थामिन विवस्व मन् कदा वित्कपिनामि ॥ नक ॥

॥ एवगु र्वपुका मयन् ॥ ४५ ॥ वेविडा विविग्धसमन डामि
 नडा विग्धसमन डामि कदाचि मिर्ग र्वमचाल का डामि विग्धसम
 दक पुका मयन् ॥ ४५ ॥ नविस्वास दविश्वस ४ विश्वसने
 वविश्वसन् विश्वसारयमाया मिमू लाय निनिकनमि ॥ ४५ ॥
 ॥ अविश्वसया ववि विश्वसमन डामि विश्वसप्रायम विश्वस
 मन डामि विश्वसया कन तय डामि विग्धसमि डाल का डामि
 सव्धरुग कि डामि थामन विश्वससयान विरमन डामि ॥ ४५ ॥

॥ वा ॥

८०

स्वयाके समद सुवीजियापुत्र प्रदुवा भलयाके गुः

विमदमन डभलयाके ८० मे वेनामंद ३० भलयाके ५

स्वगीमिद ॥ ५४ ॥ दोविषा विषम निच दं पयो

युत्र सिष्या या ४ अं न वं नेवर्ग नवी ह्यस्य वषर ८०

स्य च ॥ ५५ ॥ वाक्क रानि म ३१ पुत्र जल ३१ अग्नि ३१

मिसा ३१ मिजन ३१ गुत्र ३१ सिष्या ३१ महादेव ३१ धसा ३१ नक ॥

० धन याद धन डभनमन ३१ ॥ ५५ ॥ लोक या जहय वः

का दाकि न्यायाग गील नाप चय यन विद्यं न नकूर्या

रुज संगति ४ ॥ ५६ ॥ लोक या गा अहय विडी म वाजाः

त्यागी धागा मद धय स संगति या यम न ३१ ॥ ५७ ॥ ना

जनं शुक्र नायानि न वे क ली वह न न नावीरु वः

वृद्धि ४ स्या न मूर्ष स स्कु न व दे न ॥ ५८ ॥ श्री जल गाय

॥ वा ॥ इयमरु वह शुभ ग या क विक ल सा डाम इ मि मा ऊ न या स्ति
 ८१ ल वे द्वि मे इ म र्वे प्र न सै स्त न द्वा य म द ॥ ३१ ॥ अ न ग
 सा गि न गे ष म् वा धि गे ष म् (धे व च पु न व द्वा य ग य
 स्मा रु स्मा क र्म न का व र्थ ग ॥ ३८ ॥ वि न अ गि न वा ८१
 धि थ ग या म ष ल न क म न डी पु न व र्थ वा ध ल प म र्
 ॥ ३८ ॥ इ द्वा क ल ह र्क इ द्वा ग म य प व र्थी य ४ नि ॥ न क ॥

जामे ध न आ न स्य ध व न न हि व र्द न ॥ ३८ ॥ रु ना स क
 वा ल वा स र ल म य प व र्थी ह द मे ध न थ गे ना ग (धे ग
 (थ स व ल प ल अ थ र वा ध य र्थी डी ॥ ३८ ॥ प व दा व
 प व र्थ च प रि वा र्थ प व र्थ च प व र्थ स गु र स्ताने य ल न ४
 प रि य र्थ ग ॥ ३० ॥ मे व या स्ती मे व या ध न मे व या न अ य
 वा द उ व र्थो ह ड अ न हा स या य थ गे ना क ल न र्थ नो द गे मा
 ल ॥ ३० ॥ प व र्थी क र्थ ह ना च व र्थ डे पि य वा दि न व र्थ

॥ वा ॥
८२

यत्नादशमिहं विषकु रूपयामुखं ॥ ७१ ॥ रविलिङ्गान्, यासिनकु
रविलिङ्गान् चकवचनक्याय, थथिदम् ॥ ७१ ॥ कदम्
स थदा ३१ भद्रक, इन्द्रगया ३१ गया थल (थ) ॥ ७१ ॥ कदम्
चकवर्हिच, क ताया क नदी न था। कदम् चकवर्हिच
च, वर्जय ४ पयिगं ४ सदा ॥ ७२ ॥ कदम्, कवर्हिच स, क
च, जिगम्, मिता, मति, क रव, सि, अधर्म्या धन, अन्न मति
५, थ, न, म, हानि, लोकन गी, न, माल ॥ ७२ ॥ डर्वगी: नका

यदि वृषन, वम्हाय दितिलारु माण्णयालिमनका चैव, वर्ज
नीयापय स्त्रीय १॥ ७३ ॥ स्वर्ज्या, अप्राना, डर्वगी, लंयाति
थी गमा, (गमयालि, मनका, थथिदम् ३१, इति इलसी, पय
स्त्री गी, ल, ग, माल ॥ ७३ ॥ य प्रकार्य, विद्वप, सहसिपिरु
लादय ४ विपहिष्म हादाया, पनिवर्जदि च क १॥
७४ ॥ गमम्, स्यनी, कायस, रदयाग, गत क १, न, हलद
न, सी, विपानि, स हादाया, थ, न, विच क १, न, गी, ल, ग, माल

॥ वा ॥ विलहाडो वचून मिय धाल का अवाजाने अन्याल यामडा
८४ डी. स्याक. सबल अन धके ॥ ७८ ॥ यश राजा स्वयं रोव
समन्तिस पूजा हिम ४ न गार्ह किंक विष्णामि यमा यका मना ८५
हय ॥ ७२ ॥ गव गुलि था सस राजा मन्ति पूजा हिम रक्या वरु
स चौड थ गुलि था सस योय गनन वका शयी डी ॥ ७२ ॥
विष्णालिषि गायस्य लना टेकु वमालिका दवी पिनहि ॥ नका ॥

गक्रा गि. तैलिखे निखितं पून ४ ॥ १० ॥ विष्णान. कपालम
चो स हल आखल सनाने मय चीय देवताने चोयध
न गुलि मय मरु ॥ १० ॥ कर्म दो हि प्रदानानि वृद्धि नां कि
पराजन पाषाण स्यादु ता वृद्धि नन देवो त विष्णामि ॥ ११ ॥
कर्म थ कामडा धर वरु धू ला डी काय लोहाने कु वृद्धि याम
ग (ध द ड) ध क पू डामान्य यान कर्म इने द ड ड ल ॥ ११ ॥
कर्म (सा हि प्रधाने न सीनि ग रु गु ग य ह व गिष्ट द रु लः

॥ वा ॥ ८८ ॥ जानकि इह खरागिनी ॥ १२ ॥ कर्मयोगन दधन गार्थ
 ८९ ॥ धालसा, वसिष्ठ मुषिथिठन, लग्नवियाडा, धीवामयाग ०० हिया
 कसिमास रागिडा ॥ १२ ॥ सानूकलतवरुस्मिन् दाधायि
 गुणसंहति, गुणमपि दाधनां यानि वक्रा हर्ष विधातनी ॥ १३ ॥ ८९
 सनूकलतिनदाहं, दाधनां गुणशयी ॥ विधातव कशलनास
 गुणदाधशयी ॥ १३ ॥ किं क योगिनव धारु ४ वर्जमानस्वफ,
 म्मदि ४, धारुनेव मनूष्यानी, वृद्धि ४ कर्मा नूसावली ॥ १४ ॥ नक ॥

मनूष्य, खानिइक इयाडा, धारु, थडा कर्मन, ध्याया, धमडा
 मगमक मनूष्याया वृद्धि जल, कर्मया, मन्मान, नथ काद
 न ॥ १४ ॥ हस्तस्य हृषटी दानी, सार्यक ४ स्य हृषटी, ग्रह
 च हृषटी कर्षु, हृषटी किं प्रयोजन ॥ १५ ॥ लाहागया
 निमाइल, दानयाय, कर्षुयागिमा, सन्यख धारु, धमपी
 नयागिमा, धमकथा ४ न, निमानइक नियाडा, कृपयाज

॥ वा ॥
८७

नी ॥ १७ ॥ चविर्गुरु वदी कीर्ती दुःमाना पद्म हृदय धरी ॥
सुवर्ण हृदय धरी पद्मा यगीनी हृदय धरी ॥ १८ ॥ मिसाया नि
सा शर्ल सच वि व शय हिमा या नि सा स्वान मन या या नि सा थडी
वर्ण सुवर्ण स्वामी या स्वरा दया डान डय ॥ १९ ॥ न ऊरु ह ८७
षटी तन्ना नी नी हृदय धरी पद्मि वि धि वी हृदय धरी वाजागी ली
सर्वे हृदय धरी ॥ २० ॥ न ऊरु या ८७ सा शर्ल चन्द्रा मिसा ॥ ॥

या ८७ सा शर्ल थडी स्वामि पद्मि वि धि या ८७ सा शर्ल वा
जा समस्त या ८७ सा शर्ल सुगी ल डय ॥ २१ ॥ महा ना
य वि ह ८७ न नी चा मान ड ह म के सा वि या य धान न का
लिय स्य वि हृदय धरी ॥ २२ ॥ वडा वरु न था न डा अ स्वयं
नी लिङ्ग ग ८७ धन सा श्री कुरु न कु नि न डु यान का ली ना ग
या ८७ सा शर्ल ॥ २३ ॥ गु वि ह मि ग न ना र्य य ग ल्प
न वि ध न लय स्कान पद्मि ल्प अ न्य ४ स्कान गु वि ४

॥ ग ॥ शुचि ॥ १२ ॥ वसव्या अवाह लंख स चि वधिलामद नदा अ
 ८१ ॥ १२ ॥ शुचि रमिगर्ग
 गाय शुचि ना विप्र मित्रा शुचि कुमाक नी नाजा सं गाया वा
 क्त १ शुचि ४ ॥ ८० ॥ रमिस ची ह लीष शुचि प्रतिपत्ता इल ८१
 सा मिसा सुचि सी गोष इल सा वाक्क १ सुचि कुमाक विदल सा
 वाजा सुचि धाय ॥ ८० ॥ रमिन शुद्ध ग का गध गा सुम सु ॥ नक ॥

ननु ह्यनवजसा गुह्यं न नायी नदि वेगन शुद्धमि ॥ ८१ ॥
 नलिर्न दयानं कंगुचि पाडर्न वया डी सिङ्गल लील गुचि म
 उज्जल हा डी मिमासुचि वेगन हाके यमिसु चिङ्गल ॥ ८१ ॥
 । पडुर्न ४ पूर्व दया गमा उदया त्स हामना ॥ ८१ ॥ यमा
 सम दया स्याय मेव कृषि वृज्ज ॥ ८२ ॥ वदन क हान अ
 नपुत्रिविरा मा मया के न तान स विर माया के नान थम डम
 स विर थम ॥ ८२ ॥ कषिला डी न

॥ वा ॥ या एन वाक् पागमननच वदाक व विचायेय सयः
 ८८ ॥ नवकं वज्र ॥ ८३ ॥ कपिलसाया इदं गानं वक्त्र
 धी प्रसंगया हानं वेदया अ क व विचालया हानं थ म् गू
 दनं व के डी नी डी ॥ ८३ ॥ गूडी ह रु न यो डु के मा स मे के ८८
 निर्वन न वः जिवमा न र वे कु ड म ग स्खान पु जा य न ॥
 ८४ ॥ ग्व म् वाक् एन लि छि गो गूडी नी या ला हा न न सी न
 न यी डी थ म् वाक् ए म् वा म् गू ड ड या डी म् ए ड ड ल ना स ॥ न क ॥

विचार यो डी ॥ ८४ ॥ गील ही ना ड ड ना वी पृ ग ही न नु ही ड
 नं द रु ही न म लं कालं विद्या ही न द्वि जा रु म १ ॥ ८५ ॥ गील
 स्वरा म द म् मि ता यो ल म ड ही ड ड म म ड मि ता विद्या म म ड ड म्
 वा म् ए थ म् गी र व ले म ड ॥ ८५ ॥ ग म हि म् ग विले प म् ग म
 हि म द्वि प म द्वि ड १ ग म न म प सा यू क्ती वं दी भू व स्य ग म र
 न ॥ ८५ ॥ ल व स्य डी गो ल प ल स्य न ग म वा व ग म सी गो ल व
 म् दा स्वरा लो क ड ड ड ड म् वा म् ए यो ग म् गू व म् यो यो ल स्य

॥ वा ॥ ८२ ॥ गुरुली ॥ ८३ ॥ यहा सर्व च विषादी मरवा ली कलहा सर्व ॥ प
 दूषागु सर्व च नाबी ली गवा ली च रु ॥ ८४ ॥ सर्व ॥ ८५ ॥ वाक्
 लया उत्साह रु ली यहे मरवा उत्साह रु ली कलहा मिसाया उत्सा
 ह रु ली गाल ॥ माया उत्साह रु ली नक जाडी याच ॥ ८६ ॥ अग्नि ८७
 हा रु ली वेद गील व हि रु ली युन वतियु रु ला नाबी
 दह रु क रु ली धन ॥ ८८ ॥ वेद मया या रु ल अग्नि हा
 रु रु य गाम रु रु हा या रु ल गील हिन के मिसा गम नया ॥ नक ॥

नाया रु ल काय दय के धन दयाया रु ल दान हा गयाय ॥
 ८९ ॥ अग्नि रु रु तिना पन सूर्या दह कि व मिति ९० वाजा
 दह ति दे ९१ न गप स्या वाक् ९२ दह रु ॥ ९३ ॥ अग्नि न
 द गंध या यी डी ताप न गुर्या न दह व पि डी किल वन वा जानी
 दह व पी डी दं द म वाक् व न दह व पि डी गप स्या न ॥ ९४ ॥ स
 न सा क म ग मी सं क व व म र्थि न द धि ९५ ॥ न र्ज न्या द न र्थ
 र्थ च रु ल्या ९६ मी स रु रु न ॥ ९७ ॥ ना व चा व सिक या ला

॥चा॥ ॥०॥ चोलानहिया धत्री चोलाने डम वयू थन गेम सीस डडल्या ॥
 ॥०॥ नहं न्या नम गिद या हं न्यमाने नद गध न जय ॥
 काय बिराष्ट्र त कसीस सुधि सिक्क ॥ २१ ॥ थर्म स्याय सन
 डी स्या डध के व री वियं मर डी स्या स्व री मर डी थ स्व ना स का नी ॥
 लगा डी बा वर्यं न डी होम हा वा डी सुधि धि व ध के ॥ २१ ॥ न
 मा सरु डी दास नम घ न च मि थ न प्र वृ हि न व रु ना नी न ॥ नक ॥

वृहि उमहा रु ली ॥ २२ ॥ ला नयाने दी व न म ड थ गानाने दा
 घन म ड काम स्य व ल यान दा व न म ड थ न थ न गाल ग र
 न स म हा रु ली ॥ २२ ॥ व ड १ सा ग व य र्य न जा द या सु धि
 वी मी मा न र वा र्य चा पि या मा र्ग ड त्या म न दि ड व ध
 ॥ २३ ॥ पि तु लि स म न्द न ड ला डी वा ड थि वी ग व न नी
 दा न या म ला न य गू गेम न नी गाल ग न थ नी स्र ह या ड ल रु ल

॥ वा ॥
८१

॥ ८३ ॥ सग्निरायति यामरी सय्य राज क वानिच नि
यमवाय चायन स य प्राल ह वानिष न ॥ ८४ ॥ मिलीष
मिसा मय्य सय्य राजा थूलिन नल्का वनी प्राल ह न कि डी ॥
८४ ॥ शुक्ल मास सुगो वा व द्वा वाला र्क न व (म द धी प्रता ८१
न मे धून निखो स य ४ प्राल ह वानिष न ॥ ८५ ॥ सय्य
लिला जि धिमिसा सय्य यानिहाल अं पाल धलि सय्य मे ॥ नक ॥

धून याय सय्य क द डाय के था प्र नानि नल्का वनी प्राल ह
न के र ॥ ८५ ॥ सय्य मा संयु ने सय्य वाल सुी की व गो ज
न ड द्वा द क न व सुगो वा सय्य ४ प्राल ह वानिष न ॥ ८६ ॥ नक
स्याहा ला नक का या धील वाल सुी इ ड डी जान य का प्र लीष
मिसा या ग ज कय का डी वी न थय तान प्रान व आ या यू डी ॥
८६ ॥ अनाद ह गु नी प्रियु पिष्टाद ह गु वी पय ४ यय

॥ श्री ॥
२३

गङ्गा नाराय गङ्गा जलपूजा चारु गी ३ म हा देव त्वं धर्मिणा
लदत ॥ १०० ॥ ॥ ३०० ॥ ॐ श्री. चानक सा न सं ग ई
रुति य ग ग कं ग मा प त् ॥ ६०३ ॥ ॥ स न्व न २६
२ श्री. वे ग म ष क ष च उ ति ष न् सि द्ध च का श ले म
२ ॥ ले षि नं स नि स ग म हा वि हा य व स्ति न ल्प न
स्ते ऊ या व जी चा यो रु ष म् नि नं चो या श ल ॥ स
धं वा ष्म स द्ध वा म्म स त्य दो षे न दि य नं स त् ॥ ॥ न क ॥

फरानी नुरात वजाचार्य